राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,21 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –175 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कोरोना मामलों में अब तक की सबसे बड़ी उछाल

24 घंटे में 40 हजार से ज्यादा नए केस, 681 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कोरोना वायरस का संक्रमण अब लगभग पूरे देश में अपना पांव पसार चुका है और इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या में दिन पर दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। देशभर में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 11 लाख से अधिक हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड 40 हजार 425 केस सामने आए हैं। इसके साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11 लाख 18 हजार 43 हो गई है। इस दौरान 681 लोगों की मौत हो गई है। अब तक कुल 27 हजार 497 लोग इस वायरस की वजह से दम तोड़ चुके हैं। 22 हजार 664 लोग ठीक हुए हैं। अब तक 7 लाख 87 लोग रिकवर हो चुके हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3 लाख 90 हजार 459 हो गई है। एक दिन में इसमें 17 हजार 80 का इजाफा हुआ है। यह लगातार पांचवां दिन है जब कोरोना वायरस के एक दिन में 30,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3 लाख के पार चली गई है। राज्य में अब तक 3 लाख 10 हजार 455 लोग संक्रमित हो चुके हैं तो 11 हजार 854 की मौत हो चुकी है। यह अभी एक लाख 29 हजार से अधिक एक्टिव केस हैं तो 1 लाख 69 हजार लोग ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में अब तक 1 लाख 70 हजार लोग वायरस की चपेट में आए हैं। यहां अब तक 2,481 लोगों की जान गई है। राज्य में 50 हजार से अधिक एक्टिव केस हैं। वहीं, राजधानी दिल्ली में अब तक 1 लाख 22 हजार 793 लोग संक्रमित हुए हैं। यहां 3 हजार 628 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, यह एक्टिव केस अब 16031 ही बचे हैं।

रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी डेटा के मुताबिक देश में एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक 38,902 मामले आए थे और 543 लोगों की मौत को गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मरने वालों में 70 प्रतिशत से अधिक को पहले से अन्य बीमारियां भी थी। आईसीएमआर ने बताया है कि 19 जुलाई तक देश में कुल 1 करोड़ 40 लाख 47 हजार 908 सैंपल की जांच हो चुकी है। रविवार को 2 लाख 56 हजार 39 सैंपल की जांच की गई है।

राम मंदिर भूमि पूजन में रखी जाएगी 40 किलो चांदी की ईंट

अयोध्या। अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन 5 अगस्त को प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गयी हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि 40 किलो की चांदी की ईंट रखकर प्रधानमंत्री इसका शुभारंभ करेंगे। जमीन से साढ़े तीन फिट अंदर रखी जाने वाली ईंट में नक्षत्रों का प्रतीक होगा।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने कहा कि भूमि पूजन के अनुष्ठान 3 अगस्त से ही शुरू हो जाएंगे। इसके लिए काशी के विद्वान पंडितों को बुलाया जाएगा। कोरोना महामारी को देखते हुए इसमें सीमित संख्या में लोग मौजूद रहेंगे। सूत्रों के अनुसार इस दौरान अयोध्या को भव्य तरीके सजाया जाएगा। इस दौरान रामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़े तमाम लोगों को बुलाए जाने की चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कार्यक्रम में लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के अलावा ऐसे नेताओं को भी बुलाया जा सकता है, जो कभी राममंदिर के पक्ष में दबे स्वर में ही बोलते रहे हों।ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय को एक औपचारिक निमंत्रण भेजा गया है, लेकिन अभी तक उनके कार्यक्रम की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि एक अस्थायी कार्यक्रम तय किया है। मिश्रा ने यह भी कहा कि प्रस्तावित मंदिर में एक विश्व स्तरीय संग्रहालय भी होगा जहां लोग राम जन्मभूमि स्थल से खुदाई में निकली पुरातात्विक कलाकृतियों को देख सकेंगे।

बाबरी विध्वंसः आडवाणी का बयान 24 जुलाई को और जोशी का 23 जुलाई को होगा दर्ज

लखनऊः बाबरी मस्जिद ढहाये जाने के मामले की सुनवाई कर रही सीबीआई की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का सीआरपीसी की धारा-313 के तहत बयान दर्ज करने की तारीख 24 जुलाई तय की है। आडवाणी का बयान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दर्ज किया जाएगा। विशेष न्यायाधीश एस के यादव ने अपने आदेश में भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी के बयान दर्ज करने की तारीख भी 23 जुलाई तय की है। अदालत ने सतीश प्रधान के बयान दर्ज करने की तारीख 22 जुलाई निर्धारित की है। विशेष अदालत ने सोमवार को आरोपी सुधीर कक्कड का बयान दर्ज किया । वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए। हालांकि उन्होंने पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने की इच्छा जतायी थी।

38 पहिए के ट्रक पर लोड थी ऐसी मशीन कि 34 घंटे का सफर तय करने में लग गया एक साल

नेशनल डेस्कः महाराष्ट्र से केरल के तिरुवनंतपुरम के लिए अगर कार से निकला जाए तो 1700 किलोमीटर का सफर 34 घंटे में आसानी से पूरा किया जा सकता है। लेकिन सोशल मीडिया पर एक ऐसे ट्रक की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसे इस दूरी को पूरा करने में करीब 1 साल का समय लग गया। इस ट्रक की खास बात ये है कि इसमें 38 पहिए लगे हैं और इसके ऊपर 78 टन की एक मशीन लोड है। ये ट्रक तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर पहुंचा है। एएनआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक 38 पहिए वाला यह ट्रक महाराष्ट्र से 9 जुलाई 2019 को चला था। इस ट्रक पर तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में डिलीवरी के लिए एक एयरोस्पेस क्षैतिज आटोक्लेव लोड है। इस ट्रक के साथ मौजूद एक कर्मचारी ने बताया कि जुलाई 2019 में शुरू हुआ ये सफर 4 राज्यों से होता हुआ आज केरल में खत्म हो जाएगा। इस ट्रक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस की एक गाड़ी हर वक्त इसके आगे चलती थी। इतना ही नहीं रास्ते में ट्रक को किसी भी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए सड़क की मरम्मत की जाती थी। यही नहीं कई बार ट्रक के लिए जगह कम पड़ने पर पेड़ों को भी काटा गया था। कई जगह पर ट्रक को रास्ता देने के लिए बिजली की खंभों को भी पीछे हटाना पड़ा था।विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक पर जो मशीन लोड है उसे अलग-अलग करके नहीं लाया जा सकता था। यही कारण है कि इसे ट्रक से एक साथ लाना जरूरी था। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि ट्रक अब विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र पहुंच चुक है।

एम्स में कोरोना वैक्सीन का ह्यमून ट्रायल शुरू

पहले चरण में 18 से 55 साल की उम्र के उम्मीदवारों पर परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कपंनी भारत बायोटेक की कोरोना वायरस कोविड-19 वैक्सीन 'कोवैक्सीन' के मानव परीक्षण की शुरुआत सोमवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में हो गई। भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन का मानव परीक्षण 15 जुलाई को शुरू कर दिया था। हरियाणा में रोहतक पीजीआई और एम्स पटना में मानव परीक्षण की शुरुआत हो चुकी है। एम्स नयी दिल्ली में भी इसकी शुरुआत आज से हो गयी। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ संजय राय की अगुवाई में यह परीक्षण हो रहा है और प्रोफेसर पुनीत मिश्रा इसमें मदद करेंगे। एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया का कहना है कि 1,125 लोगों पर मानव परीक्षण होना है जिनमें से 375 लोगों पर पहले चरण में परीक्षण होगा। एम्स नई दिल्ली में पहले चरण के दौरान 100 लोगों पर परीक्षण होना है जब कोवैक्सीन पहले चरण में सुरक्षित साबित हो जाएगी तो दूसरे चरण की शुरुआत होगी। पहले चरण का उद्देश्य यह देखना है कि यह वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं और इसका कितना डोज प्रभावी होगा और मरीज को कितने डोज की जरूरत है। पहले चरण में 18 से 55 साल की उम्र के उम्मीदवारों पर परीक्षण होना है। दूसरे चरण में कोवैक्सीन के तीन फॉर्मूलेशन का परीक्षण होगा। दूसरे चरण में बड़े स्तर पर परीक्षण होना है, जिसमें 750 उम्मीदवारों को शामिल किया जाएंगा। यह मानव परीक्षण उन्हीं व्यक्तियों पर होगा जो पूरी तरह स्वस्थ हों और कोरोना संक्रमित न हों। यह परीक्षण गर्भवती महिलाओं पर नहीं किया जायेगा। इसमें 12 से 65 साल की उम्र के उम्मीदवार होंगे। कोवैक्सीन को भारत बायोटेक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर) और पुणे के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर तैयार कर रही है। मानव परीक्षण के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक ने अपनी मंजूरी दे दी है।

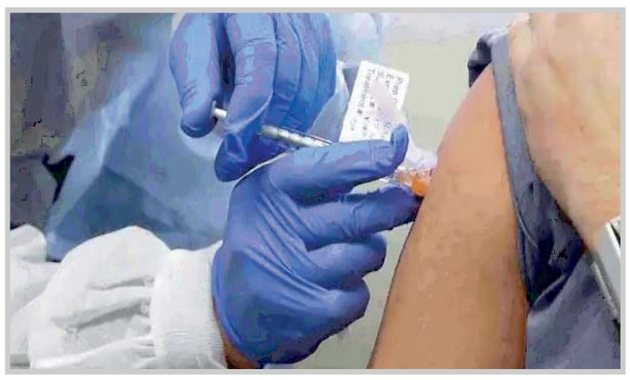

अशोक गहलोत का करारा हमला, कहा-

मैं जानता था सचिन पायलट नाकारा है, पर मैं भी यहां बैंगन बेचने नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजस्थान में सियासी घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस से बगावत करने वाले सचिन पायलट पर करारा हमला करते हुए कहा कि पायलट ने कांग्रेस की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। गहलोत ने यहां तक कहा कि उन्हें पहले ही पता था कि सचिन पायलट नकारा हैं, लेकिन मैं यहां बैंगन बेचने नहीं आया हूं, मुख्यमंत्री बनकर आया हूं, हम नहीं चाहते हैं कि उनके खिलाफ कोई कुछ बोले, सभी ने उनको सम्मान दिया है। गहलोत ने कहा कि जब मैं कहता था कि कांस्पीरेसी चल रही है तो कोई विश्वास नहीं करता था लेकिन अब सच सामने आ गया। उन्होंने कहा पायलट भाजपा के साथ मिलकर छह महीने से सरकार गिराने की साजिश कर रहे थे। कोई भी इस बात पर विश्वास नहीं करता था कि सरकार गिराने की कोशिश हो रही है। किसी को पता नहीं था कि इस तरह के मासूम चेहरे वाला व्यक्ति ऐसा काम करेगा। अशोक गहलोत ने कहा कि वो कांग्रेस का अध्यक्ष बनना चाहते थे, बड़े बड़े कॉरपोरेट उनकी फंडिंग कर रहे हैं. बीजेपी की ओर से फंडिंग की जा रही है। इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सचिन पायलट को पटखनी देने के लिए अगले कुछ दिनों में विधानसभा सत्र बुलाने की तैयारी में हैं। इसी कड़ी में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी से बातचीत की है। सत्र बुलाकर वह अपना बहुमत साबित करेंगे।

राजस्थान में CBI की डायरेक्ट एंट्री पर अंकुश, जांच से पहले लेनी होगी राज्य सरकार की परमीशन

जयपुर (एजेंसी)

गहलोत सरकार ने आज बड़ा फैसला लेते हुए राज्य में सीबीआई की डायरेक्ट एंट्री पर अंकुश लगा दिया है। अब सीबीआई को जांच के लिए पहले राज्य सरकार की सहमति लेना जरूरी होगा। इस संबंध में गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। दरअसल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केंद्र सरकार पर आरोप लगा चुके हैं कि दबाव बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है तथा गहलोत ने कहा था कि आज देश में गुंडागर्दी हो रही है, मनमर्जी के हिसाब से छापे मारे जा रहे हैं। मुझे दो दिन पहले ही पता लग गया था कि मेरे करीबियों के छापे पड़ेंगे। बता दें, राजस्थान कांग्रेस के दो बड़े नेताओं राजीव अरोड़ा और धर्मेंद्र राठौड़ के ठिकानों पर यह छापेमारी हुई थी। उधर, राजस्थान उच्च न्यायालय ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक में अनुपस्थिति पर व्हीप का उल्लंघन करने के नोटिस के विरोध में दायर याचिका पर आज सुनवाई कल सुबह तक टाल दी। मुख्य न्यायाधीश इन्द्रजीत मोहंती एवं प्रकाश गुप्ता की खण्डपीठ ने आज दोनों पक्षों के तर्क सुनने एवं बहस के बाद सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस की और से अधिवक्ता अभिषेक मनुसिंघवी ने याचिका को अपरिपक्व बताते हुए इससे निरस्त करने पर जोर दिया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष की कार्यवाही संविधान सम्मत बताया।

राजस्थान ऑडियो क्लिप मामला

केंद्रीय मंत्री शेखावत को SOG-ACB ने थमाया नोटिस, गहलोत सरकार को अस्थिर करने का आरोप

जयपुर (एजेंसी) ।

राजस्थान से अभी अभी एक बड़ी सियासी खबर सामने आ रही है। राजस्थान में एक ऑडियो क्लिप द्वारा यह दावा किया गया कि गहलोत सरकार को गिराने की साजिश की गई। इस कथित ऑडियो क्लिप में बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की आवाज का दावा किया है। इस मामले में स्व्हत ने गजेंद्र सिंह शेखावत को नोटिस जारी किया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के दिल्ली निवास पर भेजा गया है नोटिस। स्व्हत ने अपने नोटिस में पूछताछ के लिए समय मांगा है।एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक राठौर ने कहा, 'सीआरपीसी की धारा 160 के तहत, उनके निजी सचिव के माध्यम से मंत्री को नोटिस दिया गया है।' एसओजी ने शुक्रवार को कांग्रेस के मुख्य सचेतक महेश जोशी द्वारा गुरुवार रात एक शिकायत दर्ज करने के बाद दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थीं। गुरुवार को लीक हुए तीन ऑडियो टेपों में राज्य में कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए बातचीत दर्ज है।पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में शर्मा को कांग्रेस विधायक के रूप में पहचाना गया और केवल गजेंद्र सिंह और जैन के नामों का उल्लेख किया गया। कांग्रेस के बागी विधायकों में से एक का नाम गजेंद्र सिंह भी है। राठौड़ ने कहा कि उन पर देशद्रोह और 120 बी आपराधिक साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है।केंद्रीय मंत्री शेखावत और राजस्थान के विधायक शर्मा ने अलग-अलग बयानों में इस आरोप का खंडन किया था। शेखावत ने कहा था कि ऑडियों में मेरी आवाज मेरी नहीं। मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं।

अब धोखाधड़ी करने वालों की खैर नहीं, सोमवार से उपभोक्ता संरक्षण कानून लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 सोमवार से देशभर में लागू हो गया है। इस कानून में मोदी सरकार ने देश के उपभोक्ताओं को ज्यादा अधिकार देकर उन्हें सशक्त बनाया है। इस कानून में मोदी सरकार ने देश के उपभोक्ताओं को ज्यादा अधिकार देकर उन्हें सशक्त बनाया है। करीब 34 साल बाद नई शक्ल में आया उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 में ऑनलाइन व टेलीशॉपिंग कंपनियों को भी शामिल कर लिया गया है। अब उपभोक्ताओं के साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी करना किसी भी विनिर्माता व सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए काफी महंगा साबित होगा क्योंकि नए काननू में उपभोक्ताओं को ज्यादा अधिकार दिया गया है जिसका इस्तेमाल करके वे धोखाधड़ी करने वालों को कड़ी सजा दिलवा सकते हैं।मसलन, किसी उत्पाद के संबंध में गलत व भ्रामक विज्ञापन देने पर जेल की सजा व जुर्माने का प्रावधान है। इसी प्रकार, खाद्य पदार्थों में मिलावट करने व हानिकारक खाद्य पदार्थ बनाने व बेचने पर भी जेल की सजा व जुर्माने का प्रावधान है। नये उपभोक्ता संरक्षण काननू के प्रावधानों के अनुसार, अब कंज्यूमर फोरम यानी उपभोक्ता अदालत में जनहित याचिका दायर किया जा सकता है। वहीं, उपभोक्ता देश के किसी भी उपभोक्ता अदालत में मामला दर्ज करवा सकते हैं। इसके अलावा, पक्षों के बीच आपसी सहमति से मध्यस्थता का विकल्प चुनने और मध्यस्थता से विवादों के निपटारे के लिए उपभोक्ता मध्यस्थता सेल का गठन करने का भी प्रावधान है।नए कानून के तहत एक करोड़ रुपये तक का मामला कंज्यूमर फोरम में दायर किया जा सकता है जबकि एक करोड़ से लेकर 10 करोड़ रुपये तक के मामले में सुनवाई राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में होगा। वहीं, 10 करोड़ रुपये से ज्यादा के मामले में सुनवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में होगा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नया उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 अगले सप्ताह 20 जुलाई से देशभर में लागू होने जा रहा है जोकि उपभोक्ता संरक्षण कानून-1986 की जगह लेगा। नए उपभोक्ता संरक्षण कानून में विवादों के त्वरित निपटारे के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण का प्रावधान है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रामतीर्थ निर्माण

अयोध्या में मंदिर निर्माण की कवायद का तेज होना न केवल स्वाभाविक, बल्कि स्वागत-योग्य है। कोरोना की वजह से इस कार्य में कुछ देरी हो चुकी है, लेकिन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अब इसमें और देरी के पक्ष में नहीं है। शनिवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में यह फैसला किया गया कि अगस्त में निर्माण कार्य में तेजी आ जाएगी। सब कुछ ठीक रहा, तो यह तीन मंजिला मंदिर साढ़े तीन साल में बनकर तैयार भी हो जाएगा। भूमि की उपलब्धता को देखते हुए मंदिर परिसर का आकार-विस्तार बढ़ाने का फैसला भी ठीक ही है। मंदिर के लिए 120 एकड़ तक जमीन उपलब्ध हो सकती है। पहले यह दायरा 67 एकड़ तक सीमित था। एक मांग यह भी रही है कि इस मंदिर को दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर बनाया जाए, लेकिन इस होड़ में न पड़ते हुए मंदिर का आकार सामान्य ही रखा जा रहा है, तो यह स्वागत-योग्य है। किसी भी प्रकार की होड़ में न पड़ते हुए इसे सुंदर और सशक्त बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इस मंदिर की ऊंचाई 161 फुट होगी, वैसे भारत में ही अनेक मंदिर हैं, जो इससे ऊंचे हैं। देश का सबसे ऊंचा मंदिर मथुरा-वृंदावन में इस्कॉन के तहत निर्माणाधीन है, जिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च अनुमानित है। अयोध्या में निर्मित होने जा रहे राम मंदिर का बजट 100 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है। यह अच्छी बात है कि ट्रस्ट आस्था व सुविधा पर अपना ध्यान केंद्रित करता दिख रहा है। मंदिर का शिलान्यास देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करना है, तो कोई आश्चर्य नहीं। भारत जैसे धर्म सजग देश में राजनीति और सरकार की धर्मस्थल के मामलों में लिप्तता कतई नई नहीं है। ऐसा देश में पहले भी होता रहा है। मथुरा-वृंदावन में निर्माणाधीन बताए जा रहे दुनिया के सबसे ऊंचे मंदिर का शिलान्यास साल 2014 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था। फिर भी, किसी धर्मस्थल के मामले में राजनीति और सरकार की भूमिका जितनी सीमित हो, उतना ही अच्छा। किसी भी धर्मस्थल का निर्माण लोगों के धन से होना चाहिए और धर्मक्षेत्रों में सरकार की भूमिका कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने तक सीमित रहनी चाहिए। मंदिर ट्रस्ट का यह फैसला भी यथोचित है कि मंदिर के लिए देश के 10 करोड़ लोगों से मदद ली जाएगी। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मंदिर किन्हीं दो-चार उद्योग घरानों, अखाड़ों या पार्टियों का होकर न रह जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष अपना फैसला सुनाते हुए दूसरे धर्म को भी पूरा मान दिया था। भारतीय संविधान की सेकुलर भावना को आगे बढ़ाने की जरूरत है। दूसरे धर्मस्थल का शिलान्यास व निर्माण भी उतने ही भव्य तरीके से होना चाहिए और वहां भी किसी प्रकार की होड़ से बचते हुए सबकी भावनाओं का यथोचित आदर क्रम रहना चाहिए। ध्यान रहे, मंदिर उस भगवान का बन रहा है, जिनका पूरा चरित्र ही दूसरों और आम लोगों को आदर देने में बीत गया। अब कोई कारण नहीं कि मर्यादा पुरुषोत्तम का मंदिर निर्माण किसी भी मर्यादा का उल्लंघन करते हुए किया जाए। राम के युग से आज तक ईमानदारी एक सर्वोच्च मर्यादा रही है और वह निरंतर बनी रहनी चाहिए। भारत में धर्मस्थल दिखावा या पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि मानवीयता, दरिद्र नारायण की सेवा व जन-कल्याण के संदेशों के वाहक बन जाएं, तो इससे बेहतर कुछ नहीं।

नये जीवन मूल्य तलाशने का वक्त

सुरेश सेठ

चार महीने से अधिक हो गये, पूरे देश में भयबोध एक नया युग सत्य बनकर झंझावात की तरह बह रहा है। मार्च के दिन वे पहले दिन थे जब इस देश की एक सौ तीस करोड़ से अधिक आबादी के लिए जीवन का अर्थ बदल गया। मार्च के अन्तिम दिनों में एक अदृश्य अपरिचित वायरस, जिसे कोरोना का नाम दिया गया, ने देश के हर राज्य में कुछ इस प्रकार दस्तक दी कि अच्छे भले लोग लगातार संक्रमित होने लगे। उनकी सांस रुकने लगी, फेफड़े चरमरा कर असह्य कष्ट देने लगे और देखते ही देखते इस दुनिया का हर छोटा-बड़ा देश संक्रमित हो गया। दुनिया भर में इस समयावधि में सवा करोड़ लोग संक्रमित हो गये। साढ़े पांच लाख मौतें हो गयीं, और प्रतिदिन दो लाख से अधिक मरीज संक्रमित होने लगे। इस रोग ने भारत जैसे मेहनती देश को भी नहीं बख्शा। अलग-अलग राज्यों में कुल दस लाख के करीब लोग संक्रमित हो गये, 26 हजार से अधिक लोग जान गंवा बैठे, और सामाजिक अन्तर रखने की पूरी एहतियात के बावजूद प्रतिदिन लगभग तीस से अधिक लोग इन विषाणुओं के संक्रमण का शिकार होने लगे। देखते ही देखते लोगों को अपनी भौतिक उपलब्धियां नगण्य लगने लगीं। भारत जैसे धर्मप्राण देश में, जो सदा अपनी सांस्कृतिक गरिमा के कवच और कुण्डलों की सुरक्षा से जीता रहा, अचानक लगा कि जिंदगी को देखने के लिए एक नये दृष्टिकोण को विकसित करना पड़ेगा। शिक्षा, चिन्तन, अध्ययन, अध्यवसाय और सिद्धपुरुषों के प्रवचनों ने आज तक उसके लिए जीने का एक संस्कार पथ निर्मित किया था, अब लगा उसे एकदम त्याग कर एक निपट अकेली राह पकड़नी होगी। पूर्ण बन्दी के चरणों में तो घरों में बंद रहने की मजबूरी थी। इस मजबूरी ने लोगों को दो विकल्प दे दिये। पहला, या तो अवसादग्रस्त अकेला झेलो। भौतिकवाद की अन्धी दौड़ में हथेली पर सरसों जमाने, या देखते ही देखते झोपड़ी से प्रसाद हो जाने के सपनों पर औषधि रहित मृत्यु भय को डैने पसारता देखो। फिर इस प्रकार खंडित हो जाओ कि अवसाद से लेकर नकारात्मकता तुम्हारे कदमों से कदम मिलाने लगे। देशभर में संक्रमण से मरने वाले लोगों से अधिक अपनी मनोवैज्ञानिक व्याधियों से बिखरते, परिवारों के टूटने और अपने जीवन से भयाक्रान्त हो खत्म कर देने के प्रयासों की खबरें आने लगीं। इनकी बढ़ती संख्या इतनी भयावह थी कि अभी चाहे पूर्ण बन्दी की समाप्ति के चार चरणों के बाद ढील और राहत भरी अपूर्ण बन्दी का दूसरा चरण शुरू हो गया, लेकिन मानसिक रूप से अस्तव्यस्त हो गये लोगों की संख्या में कमी नहीं आयी। रोज स्थिति सुधरने का इंतजार करते लोगों को जब संक्रमित होते और जान खोते लोगों के बढ़ते आंकड़े नजर आते, इस रहस्यमय बीमारी की कोई भी औषधि मार्किट में आती नजर न आयी तो और भी विखण्डित हो गये। इसीलिए अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत के केंद्रीय सेहत संस्थान ने कहा है कि इस कोरोना महामारी के रोगियों के लिए उचित अस्पतालों, बेडों, आक्सीजन और वेंटिलेटरों की व्यवस्था के साथ इन मन से टूटते लोगों के लिए एक मनोव्याधि चिकित्सा क्षेत्र का भी विकास करना होगा। ऊपर से अमेरिका की एमआईटी ने यह दावा कर दिया कि अगर 2021 तक इस महामारी की कोई अचूक दवा न बनी तो अकेले भारत में ही रोज 2.87 लाख मरीज मिलने लगेंगे। महामारी के सैलाब के लगभग चार महीने गुजरने को आये। लेकिन सामाजिक दूरी, नकाब और दस्ताने से लदी-फदी इनसानों की यह बेचारगी अपने भयावह अकेलेपन के कैदघरों में कैद हो गयी है। धर्मस्थलों और भविष्यवक्ताओं की दिलासायें उनके लिए अर्थहीन हो गयी हैं। इस अनिश्चित बेचारगी में आज तक जो मूल्य उन्हें आधार देते, वे उन्हें खो बैठे। डेरों, सन्तों, महन्तों और सांस्कृतिक उत्सवों का उत्साह उन्होंने खो दिया, लेकिन किसी को याद क्यों नहीं आया कि इस लाचार अकेलेपन से कहीं बड़ा होता है अपना एकान्त। कभी द्वापर युग में गीता में अपने एकान्त में उतर कर अपनी अकूत शक्तियों को तोलने का संदेश दिया था। देवालयों और धर्मस्थानों के ताले तो आज भी लोगों के लिए आधे अधूरे खुले हैं, लेकिन हर व्यक्ति के अन्तस में उतर कर अपनी आत्मा का साक्षात्कार कर एक अपने देवालय का निर्माण कर लेना भी तो अवसर है। इस वक्त को स्वीकार करके कितने लोग हैं जो अपने-अपने घरों के समक्ष खड़े होकर अपने-अपने चेहरों की पहचान कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात होती है, अपनी मौजूदा स्थिति को स्वीकार करके अप्रत्याशित अंधेरे में से भी अपने पक्के कदम उठा लेना। इस अंधेरी सुरंग से बाहर आ जाने की इच्छा। इस इच्छा को न मरने देने के लिए किसी चिन्ता ने पूरे देश को आत्मनिर्भर हो जाने का संदेश दे दिया तो क्या गलत किया। उधार की बैसाखियों से हर दिन कठिन होती जा रही सड़क का रास्ता तय नहीं होता। भूख से सिसकते हुए अस्सी करोड़ लोगों को जिंदगी नवंबर मास तक प्रति मास पांच किलो गेहूं, चावल या एक किलो चने की खैरात से नहीं चलेगी। इस भयाक्रान्त वातावरण में क्यों नहीं पहचान पाये हम कि लगभग पचहत्तर बरस के योजनाबद्ध आर्थिक विकास के बावजूद न तो देश के बुनियादी उद्योग विकास ने लय पकड़ी है, और न ही मूलभूत आर्थिक ढांचे का विकास इसने किया। अब अगर अंतर्राष्ट्रीय मन्दी में उद्योग धंधों के नकार के कारण देश का दस करोड़ मजदूर अपनी जड़ों की ओर लौट अपने जीने का वसीला तलाशता है तो उसे मनरेगा के फर्जी कार्डों और एक देश-एक राशनकार्ड के लक्ष्य के बावजूद अपने कृषक समाज की कमर टूटी नजर आती है। पौन सदी गुजर गयी, हम अभी तक इस लम्बे-चौड़े देश में कृषि आधारित उद्योगों का कोई नया मानचित्र ही खड़ा नहीं कर पाये। सही है कि घर लौटे इस श्रमिक समुदाय के लिए सरकार ने पचास हजार करोड़ रुपये के निवेश के साथ उनके गांव-घरों के साथ वैकल्पिक रोजगार का सपना देखा है। लेकिन इतना काफी नहीं, आज निराश हो इन गांवों से वापस अपने महानगरों की ओर लौटते हुए मजदूरों की व्यथा बयान कर रही है। अनलॉक के खुलते हुए चरण उन्हें काम पर लौटाने का प्रलोभन दे रहे हैं। लेकिन क्या अब जरूरी नहीं कि इस देश के लोग अपनी मूल प्रकृति की पहचान करें? गिरते-पड़ते इस कृषक को फिर अपने पैरों पर खड़ा होने का संदेश दे दें। कृषि के आधारभूत उद्योगों का विकास ही इसकी औद्योगिक क्रांति को संतुलन दे सकता है, यह उसे अकेलेपन की अपंगता नहीं, अपना-अपना एकांत स्वयं झेलने की सामर्थ्य देगा।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

याद

सिर्फ याद दिला रहा हूँ.. कपिल सिब्बल ने एकबार कहा था राम मंदिर निर्माण शुरू होने पर वो आत्महत्या कर लेंगे मोदी जी के पीएम बनते ही कुछ लोग हिंदुस्तान छोड़ देने वाले थे, वो तो अपने वादे से मुकर गए.. कपिल सिब्बल जी तो बहुत बड़े आदमी हैं नामी वकील भी हैं, क्या वादा पूरा करेंगे?? -- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

आदर

श्रीराम शर्मा आचार्य

मनुष्य की श्रेष्ठता की कसौटी यह होनी चाहिए कि उसके द्वारा मानवीय उच्च मूल्यों का निर्वाह कितना हो सका। योग्यताएं, विभूतियां तो साधन मात्र हैं। लाठी एवं चाकू स्वयं न तो प्रशंसनीय हैं, न निन्दनीय। उनका प्रयोग पीड़ा पहुंचाने के लिए हुआ या प्राण-रक्षा के लिए? इसी आधार पर उनकी भर्त्सना या प्रशंसा की जा सकती है। मनुष्य की विभूतियां एवं योग्यताएं भी ऐसे ही साधन हैं। उनका उपयोग कहां होता है, इसका पता मनुष्य के विचारों एवं कार्यों से लगता है। मनुष्यता का गौरव एवं सम्मान इन जड़ साधनों से नहीं, उसके प्राण रूप सद्विचारों एवं सद्प्रवृत्तियों से जोड़ा जाना चाहिए। उसी आधार पर सम्मान देने, प्राप्त करने की परंपरा बनाई जानी चाहिए। जिस कार्य से प्रतिष्ठा बढ़ती है, उसे करने के लिए उसी मार्ग पर चलने हेतु लोगों को प्रोत्साहन मिलता है। प्रबुद्ध जन प्रशंसा और निंदा करने में, सम्मान और तिरस्कार करने में थोड़ी सावधानी बरतें, तो लोगों को कुमार्ग पर न चलने और सत्पथ अपनाने हेतु प्रेरणा दे सकते हैं। आम तौर से उनकी प्रशंसा की जाती है जिन्होंने विशेष सफलता, योग्यता, संपदा एवं विभूति एकत्रित कर ली है। विभूतियों को लोग केवल अपनी सुख-सुविधा के लिए ही एकत्रित नहीं करते वरन् प्रतिष्ठा प्राप्त करना भी उद्देश्य होता है, क्योंकि धन, वैभव वालों को ही समाज में प्रतिष्ठा मिलती है तो सम्मान का भूखा मनुष्य किसी भी कीमत पर उसे प्राप्त करने के लिए आतुर हो उठता है। अनीति और अपराधों की बढ़ोतरी का एक प्रमुख कारण यह है कि अंधी जनता हर सफलता की प्रशंसा करती है और हर असफलता को तिरस्कार की दृष्टि से देखती है। धन के प्रति आदर बुद्धि तभी रहनी चाहिए जब वह नीति और सदाचारपूर्वक कमाया गया हो। अधर्म और अनीति से उपार्जित धन द्वारा धनी बने हुए व्यक्ति के प्रति हम आदर बुद्धि रखते हैं तो इससे उस प्रकार के अपराध करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन ही मिलता है और इस दृष्टि से अपराध वृद्धि में हम स्वयं भी भागीदार बनते हैं। दूसरों को सन्मार्ग पर चलाने का, कुमार्ग की ओर प्रोत्साहित करने का एक बहुत बड़ा साधन हमारे पास मौजूद है, वह है आदर और अनादर। जिस प्रकार वोट देना छोटी घटना मात्र है पर उसका परिणाम दूरगामी होता है, उसी प्रकार आदर के प्रकटीकरण का भी दूरगामी परिणाम संभव है।

छोटी बातों से हासिल बड़े लक्ष्य

अमिताभ स.

कोरोना काल के दौरान कई महीने घर में क़ैद रहकर, आम दिनों में रोज़ सुबह से रात काम के सिलसिले में बाहर रहने वाले लोग भी जान गए कि घर के पानी के मोटर का स्विच कहां है या चाय की छननी रसोई के किस आले में रखी है। आम लोगों ने बेशक मजबूरी में छोटी-छोटी चीजों पर गौर करना सीखा है, लेकिन बुलंदियों को छूते तमाम शख़्स अपने छोटे-छोटे कामों और छोटी-छोटी बातों पर गौर करने की आदत को प्रतिभा निखारने की सीढ़ी मानते हैं। टाटा समूह के सर्वेसर्वा रतन टाटा तमाम व्यस्तताओं के बावजूद आम दिनों में भी अपने दोनों पालतू कुत्तों का ख्याल खुद ही रखते हैं। उधर वीएलसीसी की संस्थापक वंदना लूथरा को अपने कम से कम 1000 मुलाजिमों और उनके पति-पत्नियों के नाम तक याद हैं। सिने स्टार शाहरुख़ ख़ान और उनकी पत्नी गौरी ख़ान अपने घर आए मेहमानों को खुद अपने हाथों से ड्रिंक्स पेश करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खड़े होकर अपने मेहमानों का अभिनंदन करते हैं और उन्हें अपने हाथों से चाय सर्व करते हैं। एक दफ़ा मैंने ऐसा महसूस किया कि हमारे घर एक किशोर रोज सुबह अपनी मां के संग कूड़ा उठाने कई साल से आ रहा था। आस-पड़ोस के लोग उसे 'ओए', या 'अबे' या फिर 'छोटू' कहकर पुकारते थे। एक रोज़ मैंने उससे नाम पूछा, तो वह बोला 'सा'ब, मैं तो अपना नाम ही भूल गया हूं। कोई हमें हमारे नाम से पुकारता ही कहां है?' उस दिन से मैंने उसे नाम से क्या पुकारना शुरू किया, मेरे प्रति उसके रवैये में व्यापक बदलाव आया। वह हमारा काम सबसे पहले और अहमियत देकर करने लगा। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि बिज़ी शेड्यूल के बावजूद कोई अपने जूते किस सलीक़े से रखता है, यह भी उसकी तरक़्क़ी की राह में ख़ासा मददगार बनता है। नेपोलियन बोनापार्ट तो साफ़ शब्दों में कहते हैं, 'अगर किसी काम को सबसे बेहतर तरीक़े से करना है तो उसे खुद ही करो।' कर्म का रहस्य यही है कि हम अपना छोटे से छोटा काम भी करें तो पूर्ण निष्ठा, श्रद्धा और आस्था से करें। यही अध्यात्म है। सम्राट चंद्रगुप्त मोर्या के शासनकाल की बात है। उनके राज्य में एक चोर था। चोरी भी निष्ठा के साथ करता था। जब वह सेंध लगाने जाता तो ऊटपटांग तरीक़े की बजाय बड़े सलीक़े से दीवार की ईंटें निकालता और फिर सेंध लगा कर घर में घुसता। एक रात उसके साथी ने पूछा, 'चोरी ही तो करनी है। फिर सेंध लगाने में तुम इतनी कलाकारी करने में समय क्यों गंवाते हो? कहीं इसी कलाकारी के चक्कर में तुम धरदबोचे गए तो?' चोर बोला, 'चोरी मेरी रोज़ी-रोटी है। इसीलिए चोरी भी मैं पूजा की तरह करता हूं। कोई कहे कि वाह! क्या चोर है, चोरी भी करता है, तो बड़े सलीक़े से।' एक संत ने जब उसकी लगाई सेंध देखी, तो चकित रह गए। उन्होंने उसे ढूंढ़ ही लिया। उसे साधना और ध्यान की पद्धतियां सिखाईं। जल्द ही उसने कर्म और निष्ठा से आध्यात्मिक उपलब्धियां हासिल कर लीं और विख्यात संत बन गया। लाइफ़ मैनेजमेंट के गुर भी सिखाते हैं कि आप की कुछेक छोटी-छोटी आदतें क्रांतिकारी फ़ायदे पहुंचाने में सक्षम हैं। बेशक आप कारोबारी हैं या नौकरीपेशा, लेकिन रोज तय समय पर दफ़्तर या दुकान पहुंचते हैं तो लोगों पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है कि आप बेहद अनुशासित हैं। अगर आप किसी की या कोई आपकी छोटी-छोटी बातें याद रखता है और खुद-ब-खुद बातों-बातों में ज़ाहिर करता है, तो आपका उस पर फ़िदा होना स्वाभाविक है। जैसे अगर आप किसी कम मिलने वाले मेहमान के लिए चाय ऑर्डर करते हैं और बोल पड़ें, 'अरे, आप तो फीकी चाय पीते हैं।' या कहें, 'बिस्किट-विस्किट भी लाना क्योंकि ये ख़ाली चाय नहीं पीते।' तो वह गद गद हो जाएगा। एक छोटी-सी बात और। जब किसी के लिए दरवाज़ा खोलते हैं और उसके भीतर आने या बाहर जाने का इंतज़ार करते हैं, तो आपके प्रति उसका रवैया सकारात्मक होना लाज़मी है। दरवाज़ा कार, लिफ़्ट, घर, दफ़्तर या कहीं का भी हो सकता है। उसे लगता है कि आप बेहद विनम्र स्वभाव के हैं। महज़ ऐसा करने से आपके काम सफल होने की रफ़्तार बढ़ जाती है। ऐसे ही रोज सुबह-सवेरे 5 बजे के आसपास उठने से आप का व्यक्तित्व निखर उठता है। आधे से अधिक सफल कलाकार, साहित्यकार और बुद्धिजीवी सुबह-सवेरे मार्गदर्शन के लिए सर्वोत्तम समय मानते हैं क्योंकि अपने काम के समय से कम से कम 3 घंटे पहले उठने वाले अपने जीवन का पूरा नियंत्रण अपने हाथों में थाम लेते हैं। अपने दिन को बखूबी प्लान करते हैं, अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ख़्याल रखते हैं। और फिर, तड़के जागने का समय क्रिएटिव आइडियों के लिए सौग़ात बनकर तो उभरता ही है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संकटः इंडिगो ने किया स्टाफ में कटौती का ऐलान, 10 प्रतिशत कर्मचारियों की होगी छुट्टी

बिजनेस डेस्क। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने खस्ता वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि मई से उसने वेतन में कटौती और बिना वेतन अवकाश के उपाय भी अपनाये हैं। इसके बावजूद एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है। इसलिए मजबूरी में उसे 10 फीसदी कर्मचारियों को निकालना होगा। इनमें केबिन क्रू पायलट तथा अन्य सभी श्रेणी के कर्मचारी शामिल हैं। निकाले गये कर्मचारियों को नोटिस पीरियड का वेतन तथा राहत राशि दी जायेगी। दोनों मिलाकर कम से कम तीन महीने के वेतन के बराबर होगा।

सोना 31 रुपये और चांदी 51 रुपये नरम

नयी दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख के कारण सोमवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 31 रुपये गिरकर 49,916 रूपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पूर्व के कारोबारी सत्र में सोना 49,947 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 51 रुपये के नुकसान के साथ 53,948 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। शुक्रवार को इसका बंद भाव 53,999 रुपये रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली गिरावट दर्शाता 1,809 डॉलर प्रति औंस पर बोला गया जबकि चांदी 19.32 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा कि सोने की कीमतों में मामूली गिरावट रही और अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में इसका भाव 1,809 डॉलर बोला जा रहा था।

कमजोर मांग के कारण एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 136.50 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में एल्युमीनियम के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 25 पैसे अथवा 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 136.50 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 810 लॉट के लिए कारोबार हुआ।बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे मुख्यतः यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट आई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे मुख्यतः यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। घरेलू बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को तांबा की कीमत 75 पैसे की गिरावट के साथ 499.55 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबा के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 75 पैसे अथवा 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 499.55 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 5,452 लॉट के लिए कारोबार हुआ। जिसमें 5,452 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से यहां तांबा वायदा कीमतों में हानि दर्ज हुई।

एयर इंडिया के पायलट के वेतन में कमी से हालात भड़क सकते हैंः पायलट संघ

नयी दिल्ली।

एयर इंडिया की पायलट यूनियन आईसीपीए ने सोमवार को कहा कि विमानन कंपनी द्वारा पायलटों के वेतन में कोई भी एकतरफा बदलाव गैरकानूनी होगा और इस कारण हालात किसी भी हद तक भड़क सकते हैं। एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजीव बंसल को लिखे पत्र में आईसीपीए ने कहा, ''माननीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा दिनांक 16 जुलाई 2020 को एक संवाददाता सम्मेलन में आपने कहा था कि 'हम पायलटों के साथ बातचीत कर रहे हैं', जो सच्चाई से दूर है।'' भारतीय वाणिज्यिक पायलय संघ (आईसीपीए) ने कहा, ''यह एक बातचीत नहीं थी, बल्कि एमओसीए (नागर विमानन मंत्रालय) का 'अप्रिय आदेश' था, जो हमें बताया गया। हम यह भी बताया चाहते हैं कि उक्त तथाकथित बातचीत किसी भी तरह से 'सौहाद्रपूर्ण नहीं' थी।'' आईसीपीए और इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) ने पिछले सप्ताह बंसल को भेजे एक संयुक्त पत्र में कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बीच एयर इंडिया ने पायलट के वेतन में 60 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव रखा है। संयुक्त पत्र में कहा गया, ''पायलटों के लिए प्रस्तावित कटौती लगभग 60 प्रतिशत है, जबकि यह ध्यान देने योग्य है कि शीर्ष प्रबंधन ने अपने सकल वेतन में 3.5 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव किया है।' वायरस महामारी के बीच एयर इंडिया ने पायलट के वेतन में 60 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव रखा है।

संयुक्त पत्र में कहा गया, ''पायलटों के लिए प्रस्तावित कटौती लगभग 60 प्रतिशत है, जबकि यह ध्यान देने योग्य है कि शीर्ष प्रबंधन ने अपने सकल वेतन में 3.5 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव किया है।''

एयर इंडिया पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये का कर्ज है और सरकार ने इसे इस साल जनवरी में इसके निजीकरण की प्रक्रिया शुरू की है।

'जांच नोटिस मिलने की स्थिति में कर अधिकारी से मिलने की जरूरत नहीं'

नयी दिल्ली। यदि किसी व्यक्ति को आयकर से जुड़ी जांच का नोटिस मिलता है तो उसे अपने यहां के स्थानीय आयकर अधिकारी से व्यक्तिगत तौर पर मिलने की जरूरत नहीं है। वह व्यक्ति आयकर विभाग की नयी संपर्क रहित आकलन योजना के तहत इस संबंध में आगे की प्रक्रिया पूरी कर सकता है। आयकर विभाग ने एक जनसूचना में कहा, ''आयकर विभाग का चेहरा अब बदल रहा है।'' कोई व्यक्ति अब इंटरनेट के माध्यम से संपर्क रहित आकलन व्यवस्था का लाभ उठा सकता है।आयकर विभाग ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति या करदाता को विभाग की ओर से कर जांच का नोटिस मिल भी जाता है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है। ''संपर्क रहित आयकर आकलन व्यवस्था आपकी मदद करेगी। अपनी आय और कर के बारे में समझाने के लिए आपको (करदाता) को स्थानीय आयकर अधिकारी से व्यक्तिगत तौर पर मिलने की जरूरत नहीं है।'' विभाग ने कहा कि व्यक्ति अपने जवाब को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से आयकर विभाग की वेबसाइट पर जमा करा सकता है। इन जवाबों के आकलन के लिए आयकर विभाग की विशेष टीमें बनायी गयीं हैं जो देश के विभिन्न शहरों में काम करती हैं।

प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण पांच अगस्त तक भौतिक रूप से नहीं करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के बीच पांच अगस्त तक भौतिक रूप से किसी भी मामले की सुनवाई नहीं होगी। इससे पहले, न्यायाधिकरण ने कहा था कि वह 17 जुलाई तक सुनवाई बंद रखेगा। न्यायाधिकरण ने एक अधिसूचना में कहा कि मुंबई और देश के अन्य भागों में मौजूदा स्थिति को देखते हुए एसएटी पांच अगस्त तक मामले की भौतिक रूप से सुनवाई नहीं करेगा। इस दौरान न्यायाधिकरण अगले आदेश तक इस सोमवार से पूर्वाह्न 11.30 से शम 4.30 तक वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये काम करेगा इसके अलावा रजिस्ट्री कार्यालय पूर्वाह्न 11 बजे से शम 4.30 बजे तक सीमित कर्मचारियों के साथ प्रशासनिक कार्यों के लिये खुलेगा। न्यायाधिकरण ने कहा कि तुरंत सुनवाई वाले महत्वपूर्ण मामलों में संबंधित पक्ष न्यायाधिकरण द्वारा निर्धारित मानक परिचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए मामला दर्ज करा सकते हैं। अधिसूचना के अनुसार जो भी अंतरिम आदेश प्रभाव में हैं, वे अगली सुनवाई की तारीख तक अमल में रहेंगे। इसके अलावा जिन मामलों की सुनवाई 20 से 24 जुलाई के बीच होनी थी, वे अब जो मामले में 27 से 31 जुलाई के दौरान सुने जाने थे, उनकी सुनवाई अब क्रमशः 21 से 25 सितंबर को होगी। वहीं जिन मामलों की सुनवाई 3,4,5 अगस्त को होनी थी।

वाहन कंपनियों का अप्रैल-जून तिमाही परिणाम रह सकता है 'निराशाजनक

मुंबई।

कोवड-19 संकट और लॉकडाउन के चलते अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू वाहन कंपनियों की बिक्री में भारी गिरावट रही। इसके चलते उनके 2020-21 की पहली तिमाही के कारोबार परिणाम निराशाजनक रह सकते हैं। वित्तीय सेवा फर्म जेफेरीज के सोमवार को जारी एक शोधपत्र में यह संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में मारुति सुजुकी, टीवीएस और बजाज ऑटो जैसी कई वाहन कंपनियां अपने जून तिमाही परिणाम जारी करने जा रही हैं। जेफेरीज ने एक शोधपत्र में कहा, ''कोविड-19 संकट के बीच वाहनों की बिक्री में भारी गिरावट के चलते 2020-21 की पहली तिमाही घरेलू वाहन कंपनियों के लिए सबसे बुरी तिमाहियों में से एक रहने की आशंका है।'' शोधपत्र के अनुसार सालाना आधार पर यात्री वाहन और दुपहिया वाहनों की बिक्री में इस दौरान 74 से 78 प्रतिशत गिरावट आई है। जबकि ट्रकों की बिक्री 93 प्रतिशत गिरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट अन्य की अपेक्षा थोड़ी संभली रही। इनकी बिक्री 18 से 20 प्रतिशत गिरने की ही संभावना है। जबकि दुपहिया वाहनों का निर्यात 62 प्रतिशत तक गिरा है। जेफेरीज ने कंपनियों की अप्रैल-जून तिमाही की बिक्री में गिरावट के आधार पर वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में वाहनों के मूल कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियों की आय में सालाना आधार पर 71 प्रतिशत तक गिरावट आने का अनुमान लगाया है। जेफेरीज ने यह रिपोटविभिन्न श्रेणियों के वाहन बनाने वाली नौ कंपनियों के आंकड़ों का विश्लेषण कर बनायी है। ं विभिन्न श्रेणियों के वाहन बनाने वाली नौ कंपनियों के आंकड़ों का विश्लेषण कर बनायी है। इसमें अशोक लीलैंड, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, मारूति सुजुकी, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीवीएस मोटर, मदरसन सूमी और भारत फोर्ज शामिल हैं।

कोविड-19: मायलैन ने भारत में उतारा रेमडेसिविर का जेनेरिक संस्करण

नयी दिल्ली। औषधि कंपनी मायलैन ने कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज में काम आने वाली दवा रेमडेसिविर का जेनेरिक संस्करण भारतीय बाजार में उतारा है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि इसे 'देसरेम' ब्रांड नाम के तहत पेश किया गया है। कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि रेमडेसिविर जुलाई तक भारत में उपलब्ध हो जाएगी। इसकी 100 मिलीग्राम की एक शीशी की कीमत 4,800 रुपये है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस दवा को कोविड-19 की पुष्टि वाले अस्पताल में भर्ती मरीजों (बच्चे और व्यस्क) पर उपयोग करने की अनुमति है। कंपनी ने कहा कि उसने इस दवा की पहली खेप भेज दी है। और वह इसकी आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में काम करेगी। इसकी उपलब्धता की जानकारी देने के लिए कंपनी ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। कंपनी इसका विनिर्माण अपने बेंगलुरू संयंत्र में करेगी। मायलैन के अध्यक्ष (भारत और उभरते बाजार) राकेश बमजई ने कहा कि देसरेम और हमारी चौबीसों घंटे काम करने वाले हेल्पलाइन नंबर को जारी करने का मकसद इस अहम दवा तक पहुंच उपलब्ध कराना है।मायलैन के अध्यक्ष (भारत और उभरते बाजार) राकेश बमजई ने कहा कि देसरेम और हमारी चौबीसों घंटे काम करने वाले हेल्पलाइन नंबर को जारी करने का मकसद इस अहम दवा तक पहुंच उपलब्ध कराना है।

सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन-आइडिया को लगाई फटकार, पूछे कई तीखे सवाल

नेशनल डेस्क।

सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों पर बकाया राशि के मामले में अगली सुनवाई की तारीख 10 अगस्त तय की है। सुप्रीम कोर्ट में आज समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय न्यायाधीश की बेंच ने वोडाफोन आइडिया के वकील मुकुल रोहतगी से पूछा कि अगर आप कई दशकों से घाटे में चल रहे हैं तो हम आप पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? आप एजीआर बकाया का भुगतान कैसे सुनिश्चित करेंगे? कोर्ट ने 18 जून को अपने फैसले में वोडाफोन आइडिया, भारती एयरटेल और टाटा टेलीसर्विसेज को एक दशक की बैलेंस शीट देने को कहा था। वोडाफोन आइडिया के वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि, हमने एक दशक की बैलेंस शीट और टैक्स विवरण दर्ज कर दिया है। इसके अतिरिक्त एजीआर मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने कहा कि, %यदि आप हमारे आदेशों का पालन नहीं करेंगे, तो हम आपके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करेंगे। जो भी गलत काम कर रहे हैं, उन्हें हम सीधे जेल भेज सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दूरसंचार कंपनियों से दो टूक शब्दों में कहा कि वह समायोजित सकल राजस्व से संबंधित बकाये के पुनर्- आकलन के बारे में चंद सेकेण्ड के लिए भी दलीलें नहीं सुनेगा। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) की राशि करीब 1.6 लाख करोड़ रूपए है। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा, न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने दूरसंचार कंपनियों द्वारा समायोजित सकल राजस्व से संबंधित बकाए के भुगतान की समय सीमा के मसले पर सुनवाई पूरी कर ली। पीठ इस पर अपना फैसला बाद में सुनाएगी। पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान कहा, ''हम पुनर्- आकलन (समायोजित सकल राजस्व से संबंधित बकाया) पर एक सेकेण्ड भी बहस नहीं सुनेंगे। इससे पहले, केन्द्र ने न्यायालय से अनुरोध किया था कि इन दूरसंचार कंपनियों को एजीआर से संबंधित बकाया राशि के भुगतान के लिए 20 साल का समय दे दिया जाए। इस मामले में सोमवार को सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की कि 15-20 साल का समय तर्कसंगत अवधि नहीं है।

और दूरसंचार कंपनियों को एक व्यावहारिक समय बताना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिवालिया प्रक्रिया के लिए जा रही कुछ दूरसंचार कंपनियों की नेक नीयति के पहलू पर वह विचार करेगी। शीर्ष अदालत को 18 जून को केन्द्र ने सूचित किया था कि दूरसंचार विभाग ने गेल जैसे गैर-संचार सार्वजनिक उपक्रमों से एजीआर से संबंधित बकाया राशि के रूप में चार लाख करोड़ रू के भुगतान की मांग में से 96 फीसदी मांग वापस लेने का फैसला किया है।

अदालत ने भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया जैसी निजी संचार कंपनियों से कहा था कि वे इस बकाया राशि के भुगतान के बारे में तर्कसंगत योजना पेश करें और अपनी नेकनीयती का परिचय देने के लिये इस रकम में से कुछ राशि का भुगतान करें तथा पिछले दस साल के अपने खाते पेश करें।

डीजल की कीमत ने आमजनों की फिर बढ़ाई परेशानी

नई दिल्ली।

देश में डीजल की बढ़ती कीमतों से आमजनों को राहत कम और परेशानी ज्यादा मिलती नजर आ रही है। राष्ट्रीय राजधानी में डीजल की कीमत 81.64 रुपए के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुकी है। लगातार डीजल महंगा होने से ट्रक वाले अपना भाड़ा बढ़ाने पर मजबूर हैं। ऐसे में फल- सब्जियों के दामों पर सीधा असर पड़ता नजर आने लगा है। बात करें आज (सोमवार,20 जुलाई) की तो भारतीय तेल विपणन कंपनियों ने डीजल के रेट में 12 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की है। बता दें कि पिछले एक सप्ताह से भी अधिक समय से सरकारी तेल कंपनियां सिर्फ डीजल का दाम ही बढ़ा रही हैं। बीते 7 जुलाई से डीजल 1.11 रुपए प्रति लीटर महंगा हो चुका है, जबकि पेट्रोल के दाम में पिछले 21 दिनों से कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पेट्रोल के रेट में आखिरी बार 29 जून को 5 पैसे प्रति लीटर की मामूली बढ़ोतरी की थी। फिलहाल जानते हैं, इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार आज देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 80.43 रुपए प्रति लीटर है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 87.19 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। बात करें कोलकाता की तो यहां एक लीटर पेट्रोल के लिए आपको 82.10 रुपए चुकाना होंगे। जबकि चैन्नई में पेट्रोल 83.63 रुपए प्रति लीटर में उपलब्ध होगा। दिल्ली में 12 पैसे की बढ़ोतरी के साथ डीजल की कीमत 81.64 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं मुंबई में डीजल 79.83 रुपए प्रति लीटर बेचा जा रहा है। कोलकाता में आपको एक लीटर डीजल 76.77 रुपए में उपलब्ध होगा। जबकि चैन्नई में एक लीटर डीजल के लिए आपको 78.6 रुपए चुकाना होंगे। विदेशी मुद्रा दरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतें क्या हैं, इस आधार पर रोज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करती हैं।

इंडियन ऑयल , भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम हर रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की दरों में संशोधन कर जारी करती हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर का कमीशन और इसके अलावा बात करें राज्यों में अलग- अलग कीमतों की तो प्रत्येक राज्य पेट्रोल व डीजल पर अलग-अलग स्थानीय बिक्री कर अथवा मूल्य वर्धित कर लगाते हैं।

चीन की जीडीपी वृद्धि 3.2 प्रतिशत अच्छी खबर : अमेरिकी मीडिया

बीजिंग।

(आईएएनएस)। चीन की दूसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही। अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी की मीडिया और आर्थिक शोध संस्थानों के मुताबिक यह दुनिया के लिए अच्छी खबर है। अमेरिकी सीएनएन की रिपोर्ट ने कहा है कि चीन आर्थिक मंदी से बच गया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि दूसरी तिमाही में चीन की आर्थिक वृद्धि महामारी से ग्रस्त दुनिया के लिए एक रोशनी की किरण है। और यह चीन सरकार द्वारा महामारी को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने का परिणाम है। लंदन में बाजार विश्लेषकों का कहना है कि चीन के आर्थिक आंकड़ों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक दुर्लभ चमक ला दी है। उधर जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च ने 16 तारीख को एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि इस साल के पहले पांच महीनों में अमेरिका में जर्मन निर्यात 36.5 प्रतिशत तक गिरकर कुल 6.5 अरब यूरो हो गया, जबकि चीन का निर्यात केवल 12.3 प्रतिशत घटकर 7.2 अरब यूरो रहा। अनुमान है ।

चीन फ्रांस का स्थान लेकर जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा चीन फ्रांस का स्थान लेकर जर्मनी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना है और मौजूदा रुझान के अनुसार चीन इस साल के अंत तक जर्मनी का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनेगा।

आईएल एंड एफएस ने 57,000 करोड़ रुपये के कर्ज के निपटान के लिये रूपरेखा पेश की

मुंबई।

नकदी संकट से जूझ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) समूह ने सोमवार को कहा कि वह 57,000 करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज को निपटाने की उम्मीद कर रहा है। यह कंपनी के ऊपर कुल 99,000 करोड़ रुपये के कर्ज का 50 प्रतिशत से अधिक है। समूह इसमें से 50,500 करोड़ रुपये का कर्ज मार्च 2021 तक तथा 6,600 करोड़ रुपये का ऋण वित्त वर्ष 2020-21 के बाद देने की उम्मीद कर रहा है। हालांकि उसने साफ नहीं किया कि 6,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज कबतक लौटाएगा। कर्ज के मसले के निपटान के बारे में समूह के गैर-कार्यकारी चेयरमैन उदय कोटक ने कहा, ''हम चीजों को पारदर्शी तरीके से रख रहे हैं। आज की बात उसी का नतीजा है...हम इस रूपरेखा को लेकर प्रतिबद्ध हैं...।'' कंपनी ने 30 जून 2020 तक 17,640 करोड़ रुपये के कर्ज का निपटान किया है। इस ऋण का निपटान संपत्ति की बिक्री और समूह के पास उपलब्ध नकदी के जरिये किया गया। नये निदेश मंडल ने कर्ज लौटाने को लेकर तिमाही योजना साझा किया है। इसके तहत 2020-21 की दूसरी तिमाही में 8,800 करोड़ रुपये, तीसरी तिमाही में 18,000 करोड़ रुपये और चौथी तिमाही के अंत में 6,000 करोड़ रुपये का निपटान किया जाएगा। इस प्रकार, चालू वित्त वर्ष के अंत तक कुल 50,500 करोड़ रुपये का निपटान किया जाएगा। इसके अलावा 6,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज 2020-21 के बाद किया जाएगा। समूह ने 13,000 करोड़ रुपये के सकल मूल्य के इनविट (इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट) के गठन का प्रस्ताव किया है। इसमें तीन विशेष उद्देश्यीय कंपनी शमिल हैं।

जहां 5,000 करोड़ रुपये के कर्ज का पुनर्गठन किया गया है। समूह 15 इकाइयों को बेचने की प्रक्रिया में है। इससे करीब 8,500 करोड़ के कर्ज का समाधान होगा। इसके अलावा 4,900 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर्ज के पुनर्गठन की योजना है। आईएल एंड एफएस निदेशक मंडल ने समूह के समाधान रूपरेखा को तैयार किया है जिसे राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने 12 मार्च, 2020 को मंजूरी दी।

बिक्री घटने की वजह से कैफे कॉफी डे ने तीन महीनों में बंद किए 280 आउटलेट्स

नई दिल्ली।

देश के लोकप्रिय कॉफी चेन कैफे कॉफी डे को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में करीब 280 आउटलेट्स को बंद करना पड़ा। कंपनी ने मुनाफा से जुड़े बिन्दुओं और भविष्य में होने वाले खर्चों में वृद्धि को देखते हुए इन आउटलेट्स को बंद किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इन स्टोर्स को बंद किए जाने के बाद कंपनी के आउटलेट्स की कुल संख्या 30 जून, 2020 तक 1,480 रह गई। सीसीडी का स्वामित्व कॉफी डे ग्लोबल के पास है, जो कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी है। कॉफी चेन ने प्रति दिन की औसत बिक्री में कमी की सूचना दी है। कंपनी के मुताबिक अप्रैल से जून के बीच उसकी हर दिन की औसत बिक्री 15,445 की रही, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 15,739 पर थी। हालांकि, आलोच्य तिमाही में कंपनी के वेंडिंग मशीनों की संख्या बढ़कर 59,115 इकाइयों पर पहुंच गई जो पिछले साल की समान तिमाही में 49,397 इकाइयों पर थी। कंपनी ने कहा, कम मार्जिन और अधिक वर्किंग कैपिटल की जरूरत के चलते निर्यात से जुड़े ऑपरेशन्स अस्थायी तौर पर रोक दिए गए हैं। तिमाही के दौरान लाभ, बड़े खर्चों में संभावित वृद्धि को देखते हुए करीब 280 आउटलेट्स बंद कर दिए गए। कॉफी कैफे डे ने कहा है कि इस फैसले से शेष कैफे को प्रॉफिटेबल बनाए रखने और कंपनी के लिए मूल्य संवर्धन में मदद मिलेगी। कॉफी कैफे डे ने कहा है कि इस फैसले से शेष कैफे को प्रॉफिटेबल बनाए रखने और कंपनी के लिए मूल्य संवर्धन में मदद मिलेगी। कंपनी के प्रमोटर वी जी सिद्धार्थ के निधन के बाद नॉन-कोर एसेट्स की बिक्री के जरिए अपने कर्ज चुका रही है। इस साल मार्च में ने 13 लेंडर्स को 1,644 करोड़ रुपए के भुगतान का एलान किया था। कंपनी ने अपने टेक्नोलॉजी बिजनेस पार्क की बिक्री के बाद इस बारे में जानकारी दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस के कारण बोलीविया फुटबॉल संघ के अध्यक्ष का निधन

मॉस्को । बोलीविया फुटबॉल संघ के अध्यक्ष सीजर सेलिनास की वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से संक्रमित होने से मृत्यु हो गयी। वह 58 वर्ष के थे। दक्षिण अमेरिका फुटबॉल संघ के अध्यक्ष एलेजांद्रो डोमिंगेज ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'मुझे बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि मेरे प्रिये दोस्त सीजर अब नहीं रहे हैं। बोलीविया फुटबॉल संघ के अध्यक्ष सीजर एक ऐसे इंसान थे जो खेल के लिए समर्पित थे और वह बोलीविया और दक्षिण अमेरिका फुटबॉल में और विकास करने के लिए हमारे पास विरासत छोड़ कर गए हैं। एलेजांद्रो डोमिंगेज ने हालांकि उनकी मृत्य के कारण की पुष्टि नहीं की है लेकिन स्थानीय मीडिया के अनुसार सीजर पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। विश्व स्वास्थ संगठन की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 70 लाख मामलों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं बोलीविया में अबतक कोरोना से 59,582 लोग संक्रमित हुए है जिसमें से 2,151 लोगों की जान जा चुकी है और करीब 18,553 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 4 सिंतबर से होगी, 3 टी-20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी

डिजिटल डेस्क।

ऑस्ट्रेलिया के बायो सिक्योर इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 4 सिंतबर से होगी। ऑस्ट्रेलिया को इस दौरे पर 3 टी-20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। द डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक दौरे की शुरुआत टी-20 सीरीज से होगी। टी-20 मैच 4, 6 और 8 सितंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद 10, 12 और 15 सितंबर को वनडे मैच होंगे। दोनों सीरीज के सभी छह मैच मैनचेस्टर के साउथेम्प्टन और ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेले जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई टीम एक प्राइवेट जेट में ब्रिटेन पहुंचेगी। साउथेम्प्टन और मैनचेस्टर दोनों स्थानों पर मैच अधिकारियों और प्रसारकों के लिए होटल हैं। दोनों मैदान अभी इंग्लैंड-वेस्टइंडीज सीरीज की मेजबानी कर रहे हैं। इसी सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट की ब्रैक के बाद वापसी हुई है। इससे पहले तीन महिने से कोरोनावायरस महामारी के कारण क्रिकेट पर ब्रैक लगा हुआ था। वेस्टइंडीज के बाद इंग्लैंड को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज की मेजबानी भी साउथेम्प्टन और मैनचेस्टर में ही करनी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पिछले सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए 26 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की थी। जिसमें से दौरे के लिए आखिरी टीम को चुना जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की 26 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर ग्लैन मैक्सवेल और सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी शामिल किया गया। दोनों खिलाड़ियों की टीम में एक साल बाद वापसी हुई है। मैक्सवेल और ख्वाजा ने टीम के लिए पिछला मैच 2019 विश्व कप में खेला था। मैक्सवेल और ख्वाजा के अलावा अनकैप्ड खिलाड़ी डेनियल सैम्स, रिले मेरेडिथ, जोश फिलिप को भी टीम में शामिल किया गया है। जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब, शॉन मार्श और नाथन कूल्टर नाइल को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के चीफ सेलेक्टर ट्रेवर होंस ने कहा था कि, अगले टी-20 वर्ल्ड कप और 2023 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए टीम का सेलेक्शन किया गया है। सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, एरोन फिंच, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लबुशाने, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, ग्लैन मैक्सवेल, बेन मैक्डरमट, रिले मेरेडिथ, माइकल नेसेर, जोश फिलिप, डेनियल सैम्स, डी आर्की शॉर्ट, केन रिचर्ड्सन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एंड्रयू टाई, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

हैमिल्टन ने की शूमाकर के रिकॉर्ड की बराबरी, 8वीं बार जीता हंगरी ग्रां प्री का खिताब

मोग्योरोद।

छह बार के फॉमूर्ला वन चैंपियन मर्सिडीज टीम के चालक लुइस हैमिल्टन ने रविवार को यहां हंगरी ग्रां प्री का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही हैमिल्टन ने किसी एक पर सबसे ज्यादा बार खिताब जीतने के दिग्गज माइकल शूमाकर के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। हैमिल्टन का यह आठवां हंगरी ग्रां प्री खिताब है जबकि शूमाकर ने भी आठ बार फ्रेंच ग्रां प्री का खिताब जीता था। वहीं, हैमिल्टन की यह 86वीं ग्रां प्री जीत है और अब वह सबसे ज्यादा ग्रां प्री जीतने के शुमाकर के रिकॉर्ड से पांच जीत ही दूर हैं हैमिल्टन ने हंगरी ग्रां प्री रेस जीतने के बाद कहा, यह मेरी पसंदीदा रेसों में एक है। मैं अपने दम पर था लेकिन हमारे पास शानदार गति और सही रणनीति थी। पिछली दो रेस मेरे लिए शानदार रही हैं और हमें इसे बरकरार रखने की जरूरत है। रेड बुल के मेक्स वेर्सटैपेन दूसरे जबकि हैमिल्टन के मर्सिडीज टीम के साथी वालटेरी बोटास तीसरे स्थान पर रहे।हैमिल्टन के मर्सिडीज टीम के साथी वालटेरी बोटास तीसरे स्थान पर रहे। रेसिंग प्वाइंट टीम के लांस स्ट्रॉल चौथे और रेड बुल के एलेक्स एल्बियन पांचवें पायदान पर रहे फरारी टीम के सेबेस्टियन वेटल को छठा जबकि उनके टीम साथी चार्ल्स लेकरेक एक भी प्वाइंट हासिल करने में विफल रहे और उन्हें 11वें स्थान से संतोष करना पड़ा। रेसिंग प्वाइंट टीम के सर्गियो पेरेज, रेनॉल्ट के डेनियल रिकाडरे और हेस के केविन मेगनेसन ने टॉप टेन में जगह बनाई।

बीमारी के कारण बोल्ट ने नहीं लिया अभ्यास सत्र में हिस्सा

माउंट मोनगानुई । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने बीमारी के कारण सोमवार को बे ओवल में टीम के अभ्यास सत्र को भाग नहीं लिया। बाएं हाथ का यह गेंदबाज एहतियात के तौर पर टीम से दूर रहा। बोल्ट उन आठ खिलाड़ियों में शामिल है जो रविवार को शुरू हुए शिविर के पहले भाग में हिस्सा ले रहे है। इसमें उनके अलावा रोस टेलर, कोलिन डी ग्रैंडहोम, जीत रावल, मिशेल सेंटनर, टिम सीफर्ट, टिम साउथी और नील वैगनर शामिल हैं। टीम के अभ्यास सत्र के दूसरे हिस्से के छह दिवसीय शिविर में लॉकी फर्ग्यूसन, काइल जैमीसन, मार्टिन गुप्टिल, जिमी नीशम, विल सोमरविले और विल यंग भाग लेंगे। ब्लैंक कैप्स (न्यूजीलैंड पुरूष टीम) के आधिकारिक ट्विटर हैडल के मुताबिक, 'ट्रेंट बोल्ट अच्छा महसूस नहीं कर रहे है इसलिए एहतियात के तौर पर अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए। उम्मीद है कि वह कल लौटेंगे। टेलर ने कहा, 'उसने कल आठ ओवर गेंदबाजी की थी और मुझे लगता है कि वह थक गए हैं। उम्मीद है कि वह ठीक है और कल शिविर में शामिल होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने घोषणा की है कि सितंबर तक पुरुष और महिला टीमों के लिए छह राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने घोषणा की है कि सितंबर तक पुरुष और महिला टीमों के लिए छह राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। कोरोना वायरस के कारण न्यूजीलैंड में मार्च के अंत में क्रिकेट गतिविधियां रुक गईं थी।

हरमनप्रीत ने किया खुलासा- मैराथन पारी (171) के दौरान पवेलियन से कैसे संदेश आए

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई अपनी 171 रन की धांसू पारी के तीन साल बाद आखिरकार महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया है कि उस दिन वह किस मानसकिता के साथ खेल रही थी। एक वैबसाइटस से बातचीत के दौरान हरमनप्रीत ने बताया- उस दिन मेरी मानसिकता बहुत अलग थी। मैंने कई अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं लेकिन मैं जिस मानसिकता के साथ उस मैच में थी... काश मैं हर खेल में होती। ईमानदार से बताऊं तो मैच से पहले हम हमेशा की तरह स्थितियों के बारे में सोच रहे थे। उस दिन मैं अपनी क्रिकेट यात्रा को याद कर रही थी कि मेरी शुरुआत कैसे हुई। यह एक अलग तरह का एहसास था। मैं बस खुलकर खेलना चाहता थी। हरमनप्रीत ने कहा- मैं मिताली के साथ बल्लेबाजी कर रही थी। हम बार-बार स्कोरबोर्ड देख रहे थे। सोच रहे थे कि हमारे पास पर्याप्त रन नहीं हैं। हमें पता था कि ऑस्ट्रेलिया की टीम के पास नंबर 9 तक बल्लेबाजी हैं। यहां तक कि नंबर 9 का बल्लेबाज भी 100 बना सकता था। मैंने उससे (मिताली) कहा- अगर हम 200-250 बनाएंगे तो जीत नहीं पाएंगे। मैं खुलकर बल्लेबाजी करने के मूड में थी। मिताली मुस्कराई और बोली- देखो यह अब जोखिम भरा है, यह केवल 16वां ओवर है। अभी समय है। लेकिन मैंने उससे कहा कि मुझे खेलने दो, हम देखेंगे। एक बार जब मैं मिल गया, तो मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हरमनप्रीत ने कहा- पारी के दौरान मुझे जो संदेश मिल रहे थे उसके अनुसार हमारा लक्ष्य 250 के आसपास था। मैंने ऐसा सोचा नहीं था। मैंने इससे पहले वुमंस बिग बैश लीग खेली थी। हम बहुत अध्ययन करते हैं और सीखते हैं। मैं उस टीम के खिलाडियों को जानती थी.... जिनके पास नंबर 9 तक बल्लेबाजी थी। मैंने बाहर से आते संदेश रोक दिए। अगर हमने 250 तक पहुंचना था तो यह मुश्किल था क्योंकि मेरा साथी धीमा चल रहा था। झूलन को भी आना था, वह भी एक पावर हिटर हैं। सोचा। नहीं। 250 पर्याप्त नहीं है। हरमनप्रीत बोली- सच कहूं, एक बार मैच खत्म होने के बाद ... हम लंदन गए, हमारे पास फाइनल के लिए सिर्फ 1 दिन था। मुझे कई कॉल आईं और व्हाट्सएप संदेश मिले। मैं आमतौर पर एक टूर्नामेंट के दौरान व्हाट्सएप से बचती हूं।

बस परिवार से बात करती हूं। इसलिए मैंने इन संदेशों और कॉल को नहीं देखा। मेरे पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं है। मुझे लगता है कि मैं इसमें अपनी बहुत ऊर्जा बर्बाद कर देती हूं।

संक्षिप्त समाचार

बेन स्टोक्स ने खेली ताबड़तोड़ पारी

मैनचेस्टर । विंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इंगलैंड को एक बार फिर से अपने स्टार ऑलराऊंडर बेन स्टोक्स का साथ मिला। पहली पारी में 469 रन बनाने के बाद विंडीज को 297 रन पर सिमेटकर टेस्ट के चौथे दिन तक इंगलैंड की टीम दो विकेट पर 37 रन बना चुकी थी। स्टोक्स ओपनिंग पर आए और पांचवें दिन के सुबह ही उन्होंने तेजतर्रार पारी खेलनी शुरू कर दी। स्टोक्स इस दौरान इतने आक्रमक थे कि उन्होंने महज 36 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। वहीं, स्टोक्स की बेहतरीन पारी देखकर दिग्गज क्रिकेटर काफी खुश दिखे। खास बौर पर साऊथ अफ्रीका के क्रिकेटर एंडिले फेहलुकवेओ तो और भी हैरान दिखे। उन्होंने ट्विट कर स्टोक्स से पूछा- इन्होंने रात को क्या खाया था मुझे भी चाहिए। बता दें कि दुनिया के दूसरे नंबर के आलराउंडर स्टोक्स ने पहली पारी में 176 रन बनाए थे और इसके बाद टीम को जब जरूरत थी तो दूसरी पारी में भी नाबाद 78 रन ठोक डाले। आमतौर पर मध्य क्रम में खेलने वाले स्टोक्स को दूसरी पारी में ओपनिंग में भेजा गया ताकि तेजी से रन बटोरे जा सकें। स्टोक्स ने इस फैसले को सही साबित करते हुए अपना अर्धशतक मात्र 36 गेंदों में पूरा कर लिया। यह उनका 22वां अर्धशतक था। वह 78 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे।

रिषभ पंत बोले- मैंने 5-6 महीने खराब कर दिए, घर पर बैठने से हो जाते हैं आलसी

नई दिल्ली । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत इन दिनों चेन्नई सुपर किंग्स के लीजैंड बल्लेबाज सुरेश रैना के साथ प्रेक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। इसी दौरान पंत रैना के साथ सीएसके के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाऊंट पर इंटरव्यू देते हुए भी नजर आए। पंत ने इस दौरान क्रिकेट विश्व कप 2011 को याद करते कहा कि उस दौरान जब वह टॉप क्रिकेटरों के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे तो उनको इसका भरपूर फायदा मिला। बहरहाल, ट्रेनिंग शुरू करने पर पंत बोले- मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब मैं समय का बेहतर इस्तेमाल करना चाहता हूं। मैंने 5-6 महीने खराब कर दिए हैं। उम्मीद है कि हम जल्द क्रिकेट खेलेंगे और हम अपने देश के लिए और भी बढिया प्रदर्शन कर सके। बीता समय बेहद मुश्किल था क्योंकि घर पर रहना आपको आलसी बना देता है। आपको वही करना है जो आप करते हैं। मैंने अभी से अभ्यास शुरू कर दिया है। जल्दी या बाद में, आपको यह करना होगा। वहीं, रैना के साथ प्रैक्टिस पर पंत ने कहा- यह एक अच्छा अनुभव है क्योंकि वह उनसे (रैना) बहुत सारी चीजें सीख सकते हैं। वह बाएं हाथ का बल्लेबाज है। आपको वह भाईचारा मिला है। उसने मुझे बहुत सी चीजें सिखाई हैं। उनके साथ बहुत सी चीजों पर चर्चा हो रही है जिससे मुझे मदद मिल रही है। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के बारे में बातचीत करते हुए पंत ने कहा- माही भाई के साथ बातचीत बहुत कम होती है लेकिन जब भी होती है बहुत तीव्र होती है। हम अपने रिश्ते को इसी तरह रखते हैं। लंबी चर्चा मुझे सही नहीं लगती। हम छोटी-छोटी चीजों पर चर्चा करते हैं।

एंडरसन के नक्शेकदम पर ब्रॉड, कहा- कुछ और साल खेलने के लिए फिट हूं

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड करियर को लंबा खींचने के मामले में टीम के अपने साथी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नक्शेकदम पर चलना चाहते हैं और उन्होंने कहा कि वह कुछ और साल खेलने के लिए फिट हैं। साउथम्पटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ब्रॉड को नजरअंदाज किया गया था लेकिन दूसरे टेस्ट में 34 साल के इस तेज गेंदबाज ने वापसी की और चौथे दिन तीन विकेट चटकाकर इंग्लैंड का पलड़ा भारी कर दिया। तीस जुलाई को 38 बरस के हो रहे एंडरसन को ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे दूसरे टेस्ट से आराम दिया गया है। एक मीडिया हाउस ने एंडरसन के हवाले से कहा, 'जो जिमी ने किया है उसे क्यों नहीं दोहराया जाए, उसकी उम्र तक खेला जाए और उसकी तरह सफलता हासिल की जाए। मैं भूखा हूं। मेरा फिटनेस रिकॉर्ड अच्छा है। अगर मैं इसे लक्ष्य बनाऊं, अगर मैं कोई लक्ष्य बनाता हूं तो उसे हासिल करने के लिए मेरी भूख बढ़ जाती है। ब्रॉड एंडरसन के 587 टेस्ट विकेट से 99 विकेट पीछे हैं। उन्होंने कहा, 'कभी कभी मुझे मेरी उम्र से अधिक के वर्ग में रखा जाता है। जिमी ने मेरी उम्र पार करने के बाद भी ये विकेट चटकाए हैं।

ओलंपिक

टोक्यो में भारतीय हॉकी टीम के पदक जीतने की पूरी संभावना : सरदार सिंह

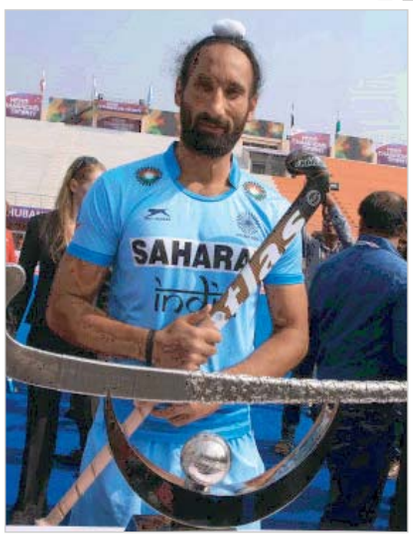

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान सरदार सिंह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि टीम टोक्यो ओलंपिक में पदक का सूखा खत्म करेगी और पदक लेकर आएगी। भारत ने आखिरी बार 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद से उन्होंने आठ ओलंपिक पदक जीते लेकिन टीम कभी पदक नहीं जीत सकी। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में सरदार ने कहा है, 314 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने के बाद भी मुझे यह पछतावा होता है कि मैं कभी ओलंपिक पदक को अपने घर नहीं ला सका। उन्होंने कहा, लेकिन इस टीम को बीते कुछ वर्षों में मजबूती से आगे बढ़ते हुए देखना और वे जिस तरह से प्रो हॉकी लीग में इस साल खेले थे वो शानदार है।

मुझे बहुत उम्मीद है कि वह इस बार ओलंपिक पदक जीतकर लौटेंगे। टीम के टोक्यो में पदक जीतने की काफी संभावना है। उन्होंने कहा, हर किसी खिलाड़ी के लिए भारतीय टीम के साथ ओलंपिक खेलना एक मात्र प्रेरणादायी चीज होती है और टोक्यो ओलंपिक से पहले उन्हें अपनी पूरी ताकत सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने में लगा देनी चाहिए। टोक्यो ओलंपिक इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच खेला जाना था लेकिन कोरोनावायरस के कारण खेलों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब यह खेल अगले साल 23 जुलाई से आठ अगस्त के बीच खेले जाएंगे।

लेगानेस ने रोका रीयाल मैड्रिड का विजय अभियान, फिर भी दूसरी डिवीजन में खिसका

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा का खिताब पहले ही अपने नाम कर चुके रीयाल मैड्रिड ने सत्र का अपना आखिरी मैच लेगानेस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। लेगानेस की टीम अंक बांटने के बावजूद दूसरे डिवीजन में खिसक गई। इस मैच के ड्रा होने से रीयाल मैड्रिड का लीग की वापसी के बाद लगातार दस मैचों में जीत दर्ज करने का अभियान भी थम गया। जिनेदिन जिदान की टीम ने अपना 34वां और तीन साल में पहला खिताब गुरुवार को ही सुनिश्चित कर दिया था। मैड्रिड ने 38 मैचों में 87 अंक हासिल किये और वह अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना (38 मैचों में 82 अंक के साथ दूसरे स्थान पर) से पांच अंक आगे रहा। बार्सिलोना ने अलावेस को 5-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान का अंत किया। लियोनेल मेस्सी ने इस मैच में दो गोल किये और सत्र में कुल 25 गोल के साथ सात अलग अलग सत्रों में सर्वाधिक गोल करने का लीग का नया रिकार्ड बनाया। लेगानेस को पहली डिवीजन में बने रहने के लिए रीयाल मैड्रिड के खिलाफ जीत की जरूरत थी। वह 'रेलीगेशन जोन से बाहर चल रहे सेल्टा विगो से एक अंक पीछे था। पिछले सात दौर में जीत दर्ज नहीं कर पाने वाले सेल्टा ने एस्पेनयोल के साथ गोलरहित ड्रा खेला लेकिन वह लगातार नौवें साल शीर्ष लीग में अपना स्थान बनाये रखने में सफल रहा। लेगानेस लगातार चार साल शीर्ष डिवीजन में रहने के बाद दूसरी डिवीजन में खिसका है। उसके अलावा मालोर्का और एस्पेनयोल दूसरे डिवीजन में खिसके हैं। रीयाल मैड्रिड की तरफ से सर्गियो रामोस ने नौवें मिनट में हेडर से गोल किया। मैड्रिड की तरफ से सर्गियो रामोस ने नौवें मिनट में हेडर से गोल किया। लेगानेस को ब्रायन जिल ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में बराबरी दिलायी। मार्को असेनसियो ने 52वें मिनट में मैड्रिड को फिर से आगे कर दिया लेकिन रोजर असेल ने 78वें मिनट में गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया। ला लिगा से रीयाल मैड्रिड और बार्सिलोना के अलावा एटलेटिको मैड्रिड (70) और सेविला (70) चैंपियन्स लीग में जगह बनाने में सफल रहे। विल्लारीयाल, रीयाल सोसिडाड और ग्रेनाडा ने अंतिम दौर के बाद यूरोपा लीग में जगह सुनिश्चित की। विल्लारीयाल ने इबार को 4-0 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया।

राउफ की जगह टी20 टीम शामिल हो सकते हैं आमिर, बताया अपना प्लान

कराची । पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने इंग्लैंड दौरे पर खेली जानी वाली टी20 श्रृंखला के लिए खुद उपलब्ध बताया है जो टीम में हारिस राउफ की जगह ले सकते हैं। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज इससे पहले अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण दौरे से हट गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर ने खुद को टीम के लिए उपलब्ध बताया है। उन्हें हालांकि इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले कोविड-19 की दो जांच में निगेटिव आना होगा। खबर के मुताबिक सोमवार को आमिर का कोविड-19 परीक्षण हुआ और उनका दूसरा परीक्षण दो दिनों के बाद होगा। अगर वह जांच में निगेटिव रहे तो 28 अगस्त से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला में टीम का हिस्सा हो सकते हैं। मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक चाहते थे कि राउफ की जगह आमिर को टीम में शामिल किया जाए। पाकिस्तान को इस दौरे पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच अगस्त से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के बाद इतने ही मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलनी है। कोरोना वायरस महामारी के कारण सभी मैचों को जैव सुरक्षित वातावरण में खेला जाएगा।

भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें जीता - बेल इंटरनेशनल 960 शतरंज का खिताब

स्वट्ज़रलैंड ।

दुनिया भर मे कोविड की महामारी नें हर तरह की गतिविधियों को रोक रखा है पर फुटबाल और क्रिकेट के बाद अब शतरंज के भी ऑन बोर्ड मुकाबले शुरू हो गए है और इसी तरह के ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट को जीतने वाले भारत के पेंटाला हरिकृष्णा पहले खिलाड़ी बन गए है । स्विट्जरलैंड में शनिवार 18 जुलाई से शुरू हुए 53 वें बेल शतरंज महोत्सव मे शतरंज 960 का खिताब हरीकृष्णा नें अपने नाम किया । हरिकृष्णा के अलावा प्रतियोगिता में पोलैंड के राडोस्ला वोज़्टस्ज़ेक ,एंग्लैंड के माइकल एडम्स ,स्पेन के अंटोनिओ डेविड ,फ्रांस के एडोयर्ड रोमाइन ,स्विट्जरलैंड के नोएल स्टुडेर ,जर्मनी के अलेक्जेंडर डोनचेंकों ,और विन्सेंट केयमर भाग ले रहे है । उन्होने 7 राउंड मे 4 जीत और 3 ड्रॉ के साथ अविजित रहते हुए 5.5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया ।

दूसरे स्थान पर जर्मनी के विन्सेंट केयमर रहे उन्होने कुल 5 अंक बनाए तो तीसरा स्थान पोलैंड के राडोस्ला वोज़्टस्ज़ेक के हिस्से आया उन्होने 4.5 अंक बनाए इस शतरंज महोत्सव मे अभी रैपिड और क्लासिकल और ब्लिट्ज़ मुक़ाबले भी खेले जाएँगे । और अंत में सभी को मिलाकर एक विजेता भी घोषित किया जाएगा । प्रतियोगिता मे पूरी तरह से शारीरिक दूरी का ध्यान रखा गया है और एक प्रकार से यह इस बात की बानगी है की कैसे भविष्य मे शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किए जाएँगे ।प्रतियोगिता मे पूरी तरह से शारीरिक दूरी का ध्यान रखा गया है और एक प्रकार से यह इस बात की बानगी है की कैसे भविष्य मे शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किए जाएँगे ।

खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट के शुरू होने के पहले एक खास व्यवस्था के तहत रखा गया उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी गयी और मैच मे इस बात का ध्यान रखा गया की कैसे इस काँच के माध्यम से उन्हे चाल चलने मे समस्या ना आए और आपस मे सांस का आदान प्रदान ना हो मैच के बाद सभी मोहरो और बोर्ड ,घड़ियों को भी साफ किया गया ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरि विष्णु

के तीसरे अवतार का समपूर्ण जीवन चरित्र

ईश्वर अनंत है। वे सर्वशक्तिमान, करुणामय परमात्मा अपना कोई प्रयोजन न रहने पर भी साधु-परित्राण, धर्म-संरक्षण एवं जीवों पर अनुग्रह करने के लिए शरीर धारण कर लिया करते हैं। श्री हरि विष्णु ने धर्म रक्षा एवं लोक कल्याणार्थ 24 बार अवतार लिया जिसमें तीसरे अवतार के रूप में देवर्षि नारद का अवतार होता है।

मंगलमूर्ति देवर्षि नारद जी मन के अवतार हैं। श्री हरि विष्णु जो कुछ भी करना चाहते हैं, तीनों लोकों में विराजमान सर्वदर्शी वीणापति देवर्षि नारद जी के द्वारा वैसी ही चेष्टा होती है।

देवर्षि नारद जी परम तपस्वी और ब्राह्मतेज से सम्पन्न हैं जो देवराज इंद्र के द्वारा दिए हुए उज्ज्वल, महीन, दिव्य शुभ और बहुमूल्य वस्त्र धारण करते हैं। वह वेद एवं उपनिषदों के ज्ञाता, देवताओं द्वारा वंदनीय, पूर्वकल्पों की बातों के जानकार, महाबुद्धिमान और असंख्य सद्गुणों से सम्पन्न महातेजस्वी, भगवान से प्राप्त वीणा से श्री हरि विष्णु के मधुर मनोहर मंगलमय नाम एवं गुणों का गान करते हुए लोक-लोकांतरों में विचरण करते हैं। वह मुक्ति की इच्छा रखने वाले प्राणियों के हित के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने त्रैलोक्य में कितने प्राणियों को किस प्रकार परम प्रभु के पावन पद पद्मों में पहुंचा दिया, इसकी गणना संभव नहीं।

भगवान नृसिंह के अवतरण की पृष्ठभूमि में जाएं तो उसमें देवर्षि नारद का ही योगदान रहा है। बालक प्रह्लाद की दृढ़ भक्ति से भगवान नृसिंह अवतरित हुए। प्रह्लाद के इस भगवद्विश्वास एवं प्रगाढ़ निष्ठा में देवर्षि नारद ही प्रमुख मार्गदर्शक थे। जब भक्त प्रह्लाद गर्भ में थे, उसी समय माता दैत्येश्वरी कयाधू को देवर्षि नारद जी ने भक्ति और ज्ञान का उपदेश दिया। प्रह्लाद जी का वही ज्ञान उनके जीवन और जन्म को सफल बनाने में सहायक रहा।

राजकुमार ध्रुव ने जब पिता के तिरस्कार से व्यथित होकर वन की ओर प्रस्थान किया, उस समय देवर्षि नारद ने उन्हें भगवान वासुदेव का मंत्र दिया तथा उन्हें उपासना की विधि विस्तारपूर्वक बताई। दक्ष प्रजापति ने पंचजन की पुत्री असिक्नी से हर्यश्व नामक दस सहस्त्र पुत्र उत्पन्न कर उसे सृष्टि विस्तारण का आदेश दिया और एतदर्थ वे पश्चिम दिशा में सिंधु नदी और समुद्र के संगम पर स्थित पवित्र नारायण सर पर तपश्चरण करने पहुंचे तब देवर्षि नारद जी ने अपने अमृत मय उपदेशों से उन सभी में विरक्ति ला दी जिससे दक्ष प्रजापति बड़े दुखी हुए।

उन्होंने फिर शावलश्व नामक एक सहस्त्र पुत्र उत्पन्न किए। देवर्षि नारद जी ने उन्हें भी भगवच्चरणाविन्दों की ओर उन्मुख कर दिया जिससे क्रुद्ध होकर दक्ष प्रजापति ने अजातशत्रु देवर्षि नारद को शाप दे दिया कि तुम लोक लोकांतरों में भटकते ही रहोगे। देवर्षि नारद ने दक्ष प्रजापति के श्राप को प्रभु श्री हरि विष्णु की मंगलमयी इच्छा समझकर स्वीकार कर लिया और तब से ये लोक कल्याणार्थ एवं धर्म रक्षा के लिए तीनों लोकों में विचरण कर रहे हैं।

शास्त्रों में मिलता है कि जब व्यास जी ने वेदों का विभाग तथा पंचम वेद महाभारत की रचना कर ली लेकिन मन में अपूर्ण कार्य की अनुभूति हो रही थी, इस कारण खिन्न हो रहे थे, तब देवर्षि नारद जी उनके समीप पहुंच गए और व्यास जी के पूछने पर बताया कि आपने भगवान के निर्मल यश का गान प्रायः नहीं किया। मेरी ऐसी मान्यता है कि वह शास्त्र या ज्ञान सर्वथा अपूर्ण है जिससे जगदाधार स्वामी संतुष्ट न हों। वह वाणी आदर के योग्य नहीं है जिसमें श्री हरि की परमपावनी कीर्त वर्णित न हो। देवर्षि नारद कहते हैं कि व्यास जी आपका ज्ञान पूर्ण है, आप भगवान की ही कीर्त का उनकी प्रेममयी लीला का वर्णन कीजिए। नारद जी ने कुल 84 सूत्र दिए हैं जिनमें भक्त और भगवान के आदर्श संबंधों की वृहद व्याख्या है जो स्पष्ट, सटीक और सहज है।

द्वापर में जब दुर्योधन के छल और कुटिल नीति से पांडवों ने अरण्य के लिए प्रस्थान किया, उस समय भारतवंशियों के विनाश सूचक अनेक प्रकार के भयानक अपशकुन होने लगे। चिंतित होकर इस संबंध में धृतराष्ट्र और विदुर परस्पर बातचीत कर ही रहे थे कि उसी समय महर्षियों से घिरे देवर्षि नारद जी कौरवों के सामने आकर खड़े हो गए और सुस्पष्ट शब्दों में उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा -

इतश्चतुर्दश वर्से विनक्ष्यन्तीह कौरवा-।
दुर्योधनपराधेन भीमार्जुनबलेन च।।

अर्थात आज से चौदहवें वर्ष में दुर्योधन के अपराध से भीम और अर्जुन के पराक्रम द्वारा कौरवों का नाश हो जाएगा। इतना कह कर महान ब्रह्मतेजधारी नारद जी आकाश में जाकर सहसा अंतर्ध्यान हो गए। जब अविनाशी नारायण और नर बद्रिकाश्रम में घोर तप करते हुए अत्यंत दुर्बल हो गए थे और उस परम तेजस्वी प्रभु का दर्शन अत्यंत दुर्लभ था, उस समय नारद जी महामेरु पर्वत से गंधमादन पर्वत पर उतर गए और जब भगवान नर और नारायण के समीप पहुंचे तब उन्होंने शास्त्रीय विधि से देवर्षि नारद जी की पूजा अर्चना की।

नारद जी ने उनसे अनेक प्रश्नों का तृप्ति कर उत्तर प्राप्त किया और फिर उनकी अनुमति से श्वेतद्वीप में पहुंच कर श्री भगवान के विश्वस्वरूप का दर्शन लाभ कर पुनः गंधमादन पर्वत पर श्री नर-नारायण के समीप चले गए। नारद जी ने भगवान नर-नारायण को सारा वृत्तांत सुनाया और उनके समीप दस सहस्त्र दिव्य वर्षों तक रहकर वे भजन एवं मंत्रानुष्ठान करते हैं।

देवर्षि नारद जी की कीर्त यशगान एवं कृतित्व व्यक्तित्व पर सभी धर्म शास्त्रों में वर्णन मिलता है। स्कंदपुराण में इंद्रकृत देवर्षि नारद जी की अत्यंत सुंदर स्तुति है। उसके संबंध में एक बार भगवान श्री कृष्ण ने नारद जी के गुणों की प्रशंसा करते हुए राजा उग्रसेन से कहा था कि मैं देवराज इंद्र द्वारा किए गए स्तोत्र से दिव्य दृष्टि सम्पन्न देवर्षि नारद जी की सदा स्तुति किया करता हूं।

सर्वे सुहृद देवर्षि नारद जी ही एक मात्र ऐसे हैं जिनका सभी देवता और दैत्यगण समान रूप से सम्मान एवं विश्वास करते हैं उन्हें अपना शुभेच्छु समझते हैं। निश्चय ही वह दयामय सबके यथार्थ हित, साधक के लिए सचित्त और प्रयत्नशील रहते हैं, जब भी करुणामय प्रभु के सच्चे प्रेमी भक्तों को उनके दर्शन हो जाते हैं।

रुद्र संहिता के अनुसार जब राजकुमारी श्रीमती के स्वयंवर में शामिल होने देवर्षि नारद पहुंचते हैं वहां पर उनका चित्त माया से मोहित हो रहा था, उस समय परमेश्वर की कृपा से महादेव जी के दो गण, देवर्षि नारद का उपहास कर रहे थे उन्हें वह शाप दे दिया लेकिन जब दोनों गणों ने देवर्षि नारद जी के पास शापमुक्ति का उपाय पूछा तो उन्होंने कहा कि मैंने जो कुछ शाप में कहा है वह वैसा ही होगा। आप दोनों मुनिवर विश्रवा के पुत्र के रूप में जन्म लेकर रावण कुंभकर्ण के रूप में राक्षस राज का पद प्राप्त करेंगे। वैभव से युक्त परम प्रतापी भी होंगे, समस्त ब्रह्मांड के राजा होकर शिव भक्त एवं जितेंद्रिय होंगे और शिव के ही दूसरे स्वरूप श्री विष्णु के हाथों मृत्यु पाकर फिर अपने पद पर प्रतिष्ठित हो जाएंगे।

इतना ही नहीं देवर्षि नारद जी ने ब्रह्मा जी से शिव तत्व के उत्तम महात्मय का ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने भक्ति मार्ग, ज्ञान मार्ग, तपोमार्ग, दानमार्ग तथा तीर्थमार्ग का वर्णन सुनकर तीनों लोकों में विचरण कर शिव तत्व का प्रचार-प्रसार कर मोक्ष प्राप्त करने का उपाय जीव जंतुओं का बताया।

किन लोगों में बसता है ईश्वर

प्रेम अन्तःकरण का अमृत है। जिसकी भावनाएं स्नेहसिक्त होती हैं, वे अनुभूतियों से आनंदित रहते हैं और दूसरों पर उसके छींटें छिड़ककर उन्हें उल्लास प्रदान करते हैं।

प्रेम एक चुंबक है जिसके सहवर्गी तत्त्व अनायास ही खिंचते चले जाते हैं। यदि प्रेम भावना के साथ आदर्शवादिता भी जुड़ी हुई हो तो अपना संपर्क-क्षेत्र श्रेष्ठ तत्वों के साथ सघन होता चला जाएगा।

बुरी प्रकृति के किंतु प्रेमी स्वाभाव के लोग, बुरी चांडाल चौकड़ी के सरगना बने हुए देखे जाते हैं। यही बात अच्छी प्रकृति पर भी लागू होती है, मधुरता और ममता के साथ यदि सज्जनता भी जुड़ी हुई हो, तो फिर निश्चय ही अपने को देव समाज के सम्मानित सदस्य के रूप में पाया जाएगा।

दर्पण में अपनी ही छाया दिखाई पड़ती है ।

कुरूप छाया दृष्टिगोचर हो तो दर्पण पर क्रुद्ध होना बेकार है। अपनी मुखाकृति जैसी होगी वैसी ही सूरत सामने खड़ी होगी। दूसरों को सुधारने के लिए अपने में आवश्यक हेर-फेर करना होगा अन्यथा मनमरजी की दुनिया देखने के सपने कभी साकार न हो सकेंगे।

अक्सर होता यह है कि अपने दुर्गुणों की प्रतिक्रिया ही अवांछनीय परिस्थितियों के रूप में इर्द-गिर्द घूमती रहती है। यदि अपने में आवश्यक सुधार कर लिया जाए तो दूसरों में भी उस परिवर्तन का आभास सहज ही होने लगेगा।

जीवनक्रम में प्रमाणिकता का समावेश % सादा जीवन , उच्च विचार % का आदर्श अपनाने से ही हो सकता है। सादगी शालीनता की निशानी है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शन के साधन जुटा लेना पर्याप्त नहीं है। किसी को चकाचौंध से क्षणभर के लिए चमत्कृत तो किया जा सकता है पर श्रद्धा और विश्वास से भरा सम्मान प्राप्त करने के लिए चरित्र और चिंतन की गहराई ही काम आती है।

अति भावुकों की बात अलग है सामान्यतः विश्वास उपलब्ध करने के लिए प्रमाणिकता की कसौटियों पर खरा उतरना पड़ता है। इस अग्निपरीक्षा में उत्तीर्ण वही हो सकता है जिसने आदर्श की आग में तपाकर अपने व्यक्तित्व को प्रखर एवं परिपक्व बनाया है। इस मार्ग पर चलते हुए % बड़ा आदमी % बना नहीं जाता है।

जड़ें दिखाई नहीं पड़तीं पर पेड़ का अस्तित्व उन्हीं पर निर्भर रहता है।

जीवन की जड़ें कर्तव्यपालन के तंतुओं के रूप में बिखरी हुई देखी जा सकती हैं। प्रेम के जल से इन्हें सींचा जाता है और आत्मसंयम की खाद पाकर वे परिपुष्ट होती हैं। जीवन का वटवृक्ष कितना विशाल, कितना हरित और कितना सघन होता है - यह इस बात पर निर्भर है कि उसकी जड़ें सींचने में कितना प्रयास किया गया ?

जीवन की सफलता और सार्थकता का भवन छोटे-छोटे सद्गुणों की ईंटों और सतर्कता के गारे चूने में चूना जाता है। यदि हम जीवन को महत्वहीन न समझें और उसके सदुपयोग का समुचित ध्यान रखें तो उस लक्ष्य तक सहज ही पहुंच सकते हैं जिसके लिए यह मनुष्य जीवन की महान विभूति उपलब्ध हुई है।

जो सचमुच प्रेम करता है उसका हृदय धरती पर साक्षात स्वर्ग है ! ईश्वर उसमें बसता है क्योंकि ईश्वर प्रेम है !

वास्तु

सावधान! घर का बिगड़ा वास्तु खिला सकता है आपको जेल की हवा

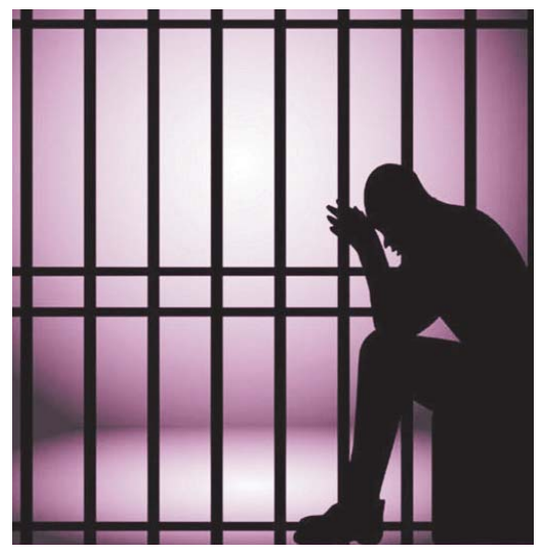

वास्तुशास्त्र में ऐसे भवनों की भी जानकारी दी गई है, जिसमें निवास करने वाले परिवार या उनके किसी सदस्य को परिस्थितिवश जेल जाने की नौबत आ जाती है।

- घर व घर की चारदीवारी के नैऋत्य कोण में मुख्यद्वार या मार्ग प्रहार हो तब ऐसे में दक्षिण नैऋत्य होने पर घर की महिला सदस्य और पश्चिम नैऋत्य में हो तो पुरुष सदस्य के जेल जाने की सम्भावना बनती है।
- नैऋत्य नीचा हो, दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुंए, गड्ढे और चैम्बर आदि खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट के स्वामी को जबरदस्ती गिरफ्तारी व जेल जीवन का सामना करना पड़ता है।
- जब घर के दक्षिण नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर की महिला सदस्य और यदि घर के पश्चिम नैऋत्य में बढ़ाव हो तो घर के पुरुष सदस्य के जेल जाने की नौबत आती है।
- घर के दक्षिण भाग स्थित मुख्यद्वार इस प्रकार लगा हो कि द्वार से आग्नेय कोण दिखता हो तो घर के किसी सदस्य की गिरफ्तारी होने की आशंका होती है।

घर का वास्तु भी कर सकता है आपको समाज में अपमानित

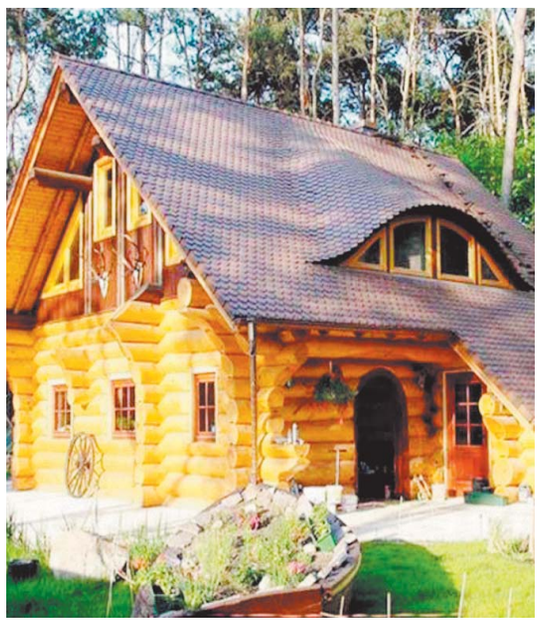

हर वो आदमी जिसमें आत्म सम्मान है वह कभी नहीं चाहता है कि वह अपने जीवन में कभी किसी अन्य के द्वारा अपमानित हो। अपमान किसी भी तरह का हो सकता है, जैसे स्वयं द्वारा या परिवार के किसी सदस्य अवांछनीय कार्य करने से अथवा किसी शत्रु द्वारा किसी प्रकार की साजिश रचने इत्यादि से।

वास्तुशास्त्र में ऐसे घरों की बनावट के बारे में जानकारी दी गई है, जिनमें रहने वालों को अपने जीवन में कभी ना कभी अपमान का सामना करना पड़ता है जैसे -

- घर की पूर्व दिशा की कम्पाऊण्ड वाल सीधी हो और उत्तर दिशा में कट गई हो और यह कटाव सीढ़ियों की तरह उत्तर वायव्य से होता हुए पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा हो तो ऐसे घर में रहने वालों को अपमान से पीड़ा होगी।
- यदि परिसर का उत्तर ईशान एवं उत्तर दिशा कट गई हो तो परिसर के स्वामी को अपमान का सामना करना पड़ेगा।
- ऐसा घर जिसमें उत्तर के साथ मिलकर अगर वायव्य में बढ़ाव होता हो तो वहां रहने वालों को अपमान का सामना करना पड़ता है।
- किसी प्लाट पर पूर्व की ओर नीचा हो या ऊंचा यदि उस ओर दीवार पर शेड या कमरा आदि बनाया जाएं तो घर के मालिक का अपमान होता है।
- घर का नैऋत्य ऊंचाई पर हो, उधर दक्षिण और नैऋत्य के बीच में या नैऋत्य और पश्चिम के बीच में कुएं, गड्ढे या रंध्र खोदे जाएं या मोरी बनाई जाए तो उस प्लाट का मालिक अपमान से पीड़ित होगा।
- पश्चिम वायव्य पश्चिम दिशा के साथ मिलकर बढ़ाव लिए हुए हो तो प्लाट के स्वामी का जीवन में कभी ना कभी अपमान होता है।
- यदि मुख्यद्वार के साथ सीधे खिड़की जुड़ी हुई हो और खिड़की के पास टूटी-फूटी हालत में या जीर्णक्षीर्ण हालत में दीवार हो, प्लास्टर उखड़ा हुआ हो या खिड़की ही टूटी हुई हो तो उस घर के मुखिया को समाज में अपमान का सामना करना पड़ता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान गतिरोध पर सामने आए गहलोत, बोले- पायलट ने कांग्रेस की पीठ पर छुरा घोंपा

नेशनल डेस्क।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निष्कासित उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को निकम्मा बताते हुए कहा कि पायलट ने कांग्रेस की पीठ में छुरा घोंपा है। गहलोत ने मीडिया से कहा कि पायलट को पार्टीने बहुत कुछ दिया। उन्हें 25 वर्ष की उम्र में सांसद, 26 की उम्र में केंद्रीय मंत्री बनाया। इसी तरह करीब 30 वर्ष की उम्र में उन्हें प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया। इसके बावजूद उन्होंने जो किया वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पायलट काफी समय से षडयंत्र रच रहे थे तथा 10 मार्च को यह सामने भी आ गया था। उस समय उनका षडयंत्र विफल हो गया। उन्होंने कहा कि पायलट समर्थक विधायकों के साथ अपने पिता राजेश पायलट की मूर्ति पर माल्यार्पण करने गये, तथा वहीं से विधायकों को उन्हें दिल्ली ले जाना था। उनके षडयंत्र के बारे में मैं बताता रहा हूं, लेकिन किसी ने विश्वास नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह बहुत अच्छी अंग्रेजी और हिन्दी बोलने वाले अच्छे चेहरे को लेकर जनता में अपनी अच्छी छवि बनाना चाहते थे, लेकिन हकीकत अलग थी। गहलोत ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद पायलट ने पहली बार में ही दिखाया कि अध्यक्ष के आते ही लोग खड़े हो जायें। चाहे वे उनसे ज्यादा वरिष्ठ क्यों न हों। व्यक्ति से पद कितना बड़ा होता है यह उन्होंने दिखाने की कोशिश की। राज्य में कांग्रेस सरकार बनाने के लिये बहुमत आने का वह श्रेय लेते रहे, लेकिन हमें पता है कि हकीकत क्या थी। इसी तरह उन्होंने अपने व्यवहार से पार्टी को नुक्सान पहुंचाया, लेकिन तब भी हम पार्टी हित में चुप रहे, लेकिन एक न एक दिन तो यह खुलासा होना ही था। गहलोत ने सवाल किया कि वकील को 50 लाख रुपये देने के लिये उनके पास कहां से पैसा आ रहा है। सरकार के विधानसभा में बहुमत साबित करने के प्रश्न पर श्री गहलोत ने कहा कि सब कुछ होगा।

संक्षिप्त समाचार

चीन को समंदर में घेरने की तैयारी में भारतीय नौसेना, युएस भी देगा साथ

नेशनल डेस्क। पूर्वी लद्दाख में भले ही भारत-चीन के बीच तनाव कम हो गया हो लेकिन भारतीय सेना सतर्क है। भारतीय नौसेना अब चीन को अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में जुटी है। जानकारी के मुताबिक अमेरिकी नौसेना, भारतीय नौसेना के साथ मिलकर युद्धाभ्यास कर सकती है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर निमित्ज इसमें शामिल हो सकता है। निमित्ज अभी हिंद महासागर में तैनात है और नेवी अंडमान और निकोबार द्वीप तट पर युद्धाभ्यास कर रही है। निमित्ज पहले से ही मलक्का स्ट्रेट के रास्ते हिंद महासागर में मौजूद है और यह स्ट्रेट मलेशिया और इंडोनेशिया के बीच का बेहद संकरा रास्ता है। यह इस लिहाज से भी काफी अहम है क्योंकि इसी रास्ते से चीन समेत पूरे एशिया के लिए तेल सप्लाई होता है। अमेरिका-भारत का यह सम्भावित संयुक्त युद्धाभ्यास उसी तर्ज पर होगा, जैसे जून 2020 में भारत की नेवी ने जापान की नेवी के साथ किया था। एयरक्राफ्ट कैरियर निमित्ज थियोडोर रुजवेल्ड के साथ साउथ चाइना सी में वॉरगेम्स का हिस्सा था। बता दें कि पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लद्दाख दौरे पर गए थे, इस दौरान पैरा कमांडो ने उसी जगह पर अपनी ताकत दिखाई थी जहां चीनी सैनिकों के साथ झड़प हुई थी।

कोरोना के हराने के बाद सत्येंद्र जैन ने फिर संभाला स्वास्थ्य मंत्रालय का कार्यभार

नेशनल डेस्क। कोविड-19 से स्वस्थ हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन सोमवार से अपना कामकाज शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह जानकारी दी। जैन लगभग एक माह बाद काम शुरू करेंगे, उन्हे 17 जून को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। जैन की गैरमौजूदगी में, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया स्वास्थ्य एवं गृह विभाग व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि हमारे स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन स्वस्थ हो गए हैं। वह आज से काम पर लौटेंगे। वह अस्पतालों का दौरा करने और स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों से मुलाकात को लेकर हमेशा क्षेत्र में रहते हैं। केजरीवाल ने कहा कि वह कोरोना से संक्रमित हो गए थे। एक महीने बाद, आज वह काम पर लौटे। सत्येंद्र आपका फिर से स्वागत है और शुभकामनाएं। मंत्री को प्लाज्मा थेरेपी दी गई थी जिसके बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ था। उन्हें 26 जून को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी।

बच्चों के पेरेंट्स को सरकार ने दी बड़ी जिम्मेदारी, तय करेंगे कब खोले जाएं स्कूल

नेशनल डेस्क। कोरोना के बढ़ते कहर के बीच छात्र-छात्राओं में मानसिक परेशानियों भी बढ़ती जा रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए स्कूल और कॉलेज को फिर से खोलने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि अंतिम फैसला सरकार का नहीं बल्कि बच्चों के मां बाप का होगा, उनकी राय जानने के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा। एक न्यूज चैनेल की खबर के मुताबिक केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बच्चों के अभिभावकों की राय जानने के निर्देष दिए हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भेजे गए सर्क्यूलर में ये जानने के लिए कहा गया है स्कूलों को फिर से खोलने पर अभिभावकों की स्कूलों से क्या अपेक्षाएं हैं।अभिभावकों से पूछा जाए कि वे अगस्त, सितंबर या अक्टूबर कब से स्कूलों को फिर से खोले जाने पर सहमत हैं। खबरों के अनुसार अभिभावकों से भी यह भी पूछा जाएगा कि जब स्कूल दोबारा खोल दिए जाएंगे, तब उनकी क्या एक्सपेक्टेशंस रहेगी। बता दें कि बच्चों की बढ़ती मानसिक परेशानियों के समाधान के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय ''मनोदर्पण कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है । इसमें ऐसे कई रचनात्मक कार्य एवं सुझाव हैं जिससे विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। इसमें स्कूल से लेकर कॉलेज तक के विद्यार्थियों की समस्याएं को लेकर दिशानिर्देश एवं सुझाव दिये गए हैं। मनोदर्पण में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं परिवारों के लिये परामर्श भी दिये गए हैं । इसमें कहा गया है कि कोरोना (कोविड-19) वास्तव में सम्पूर्ण विश्व के लिए एक चुनौतीपूण समय है। यह वैश्विक महामारी न केवल एक गंभीर चिकित्सा चिंता है, बल्कि सभी के लिये मिश्रित भावनाएं और मनो-सामाजिक तनाव भी लाती है। बच्चों और कशोरों पर विशेष ध्यान देने के साथ, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं उभर रही हैं। मनोदर्पण के तहत परामर्श में सुझाया गया है कि छात्र प्रभावी ढंग से संवाद करें। अपने परिवार के साथ बातचीत और जुड़ाव पर ध्यान दें। हर दिन अपने लिये समय निर्धारित करें । भ्रामक समाचारों और अफवाहों से बचें ।

देश के इन पांच राज्यों में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा सात लाख के पार, परेशान करने वाले आंकड़े

नई दिल्ली। देश में पांच प्रमुख राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमितों की कुल संख्या 716,890 तक पहुंच गयी, जो कुल संक्रमितों का 64.12 फीसदी है। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की संख्या 310,455, तमिलनाडु में 170,693, दिल्ली में 122,723, कर्नाटक में 63,772 और उत्तर प्रदेश में 49,247 है। महाराष्ट्र में कोविड-19 से अब तक 1,69,569 लोग स्वस्थ हुए हैं, वहीं तमिलनाडु में 1,17,915, राजधानी दिल्ली में 1,17,915, कर्नाटक में 23065 और उत्तर प्रदेश में 28,845 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 40,425 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 11,18,043 हो गयी है। वहीं इस दौरान 681 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 27,497 हो गई है। संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है और रिकवरी दर 62.62 फीसदी हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी की स्थिति अब कुछ नियंत्रण में है और यहां संक्रमण के मामलों में वृद्धि की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। राजधानी में अब तक 1,22,793 लोग कोरोना की चपेट में आये हैं ।

बाबरी मामले में फिर दर्ज होंगे आडवाणी-जोशी के बयान, तय हुआ तारीख और समय

नेशनल डेस्क ।

बाबरी मस्जिद ढहाये जाने के मामले की सुनवाई कर रही सीबीआई की विशेष अदालत ने लालकृष्ण आडवाणी का सीआरपीसी की धारा-313 के तहत बयान दर्ज करने की तारीख 24 जुलाई तय की है। आडवाणी का बयान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दर्ज किया जाएगा। विशेष न्यायाधीश एस के यादव ने अपने आदेश में भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी के बयान दर्ज करने की तारीख भी 23 जुलाई तय की है। अदालत ने सतीश प्रधान के बयान दर्ज करने की तारीख 22 जुलाई निर्धारित की है। विशेष अदालत ने सोमवार को आरोपी सुधीर कक्कड का बयान दर्ज किया । वह व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए। हालांकि उन्होंने पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने की इच्छा जतायी थी। साल 1992 में 6 दिसंबर को कार सेवकों ने बाबरी मस्जिद के ढांचे को गिरा दिया था। इस मामले में आडवाणी, जोशी और उमा भारती के साथ ही राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह, पूर्व सांसद विनय कटियर और साध्वी ऋतंबरा के खिलाफ विवादित ढांचा गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप उच्चतम न्यायालय ने 19 अप्रैल, 2017 के आदेश में बहाल कर दिया था। इस मामले के आरोपियों में से विहिप नेता अशोक सिंघल, विष्णु हरि डालमिया की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो जाने की वजह से उनके खिलाफ कार्यवाही खत्म कर दी गई।

सड़क पर गुजारा करने को मजबूर मां और भूख से बिलखते बच्चों को देख भावुक हुए सोनू सूद

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद देश में कोरोना वायरस संकट काल में लगातार जरूरतमंदों की हरसंभव मदद कर रहे हैं। लॉकडाउन में जब प्रवासी मजदूर पैदल ही अपने घरों की तरफ निकल पड़े तो उनकी परेशानी सोनू सूद से देखी नहीं गई और उन्होंने हजारों लोगों को अपने इंतजाम पर उनके घर पहुंचाया। सोनू सूद का यह रूप देख लोगों के लिए वो सच में हीरे बन गए हैं। वहीं हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेघर परविरा की फोटो वायरल हुई थी। सोनू सूद का इस फोटो को देख दिल पसीज गया। सोनू सूद ने इस बेघर परिवार की मदद करने का भरोसा जताया है। दरअसल एक यूजर ने सोनू को पटना की एक तस्वीर भेजते हुए लिखा, सर इस महिला के पति की मौत हो गई है। मकान मालिक ने इनको घर से निकाल दिया है । एक महीने से यह महिला अपने बच्चों के सात सड़क के किनारे रह रही है, 2 छोटे बच्चे भूख से बिलख रहे हैं मदद करें आप। सरकार से इन्हें उम्मीद नही कोई। इसके जवाब में तुरंत सोनू सूद ने लिखा, इस परिवार के सिर पर छत होगी। इन छोटे बच्चों के लिए एक घर ज़रूर होगा। सोनू के इस ट्वीट की लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। लॉकडाउन में सोनू सूद ने जितनी संभव हो सकी, अपनी तरफ से सभी की मदद की है।

अमरनाथ यात्रा- यात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, तैनात किए गए बेल्जियम शेफर्ड डॉग

नेशनल डेस्क। इस साल बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए अमरनाथ यात्रा पर आए वीवीआइपी की सुरक्षा के साथ-साथ पूजा व्यवस्था की बागडोर देवघर के मेजर रोहित शेखर के हाथ है। मेजर रोहित शेखर के अधीन 120 सेना के जवान हैं। मेजर रोहित शेखर ने अमरनाथ में अपने बटालियन के साथ मोर्चा संभाल लिया है। सुरक्षाबल जम्मू में यात्रा मार्ग, यात्रियों के ठहरने के स्थानों सहित बेस कैंप को खंगाल रहे हैं। देवघर जिले के रोहित शेखर को राष्ट्रीय राइफल 18 बटालियन का कमांड मिला है। हाल ही में जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बाबा बर्फानी के दर्शनों को पहुंचे तो मेजर रोहित शेखर उनके साथ भी मौजूद थे। बता दें कि इस साल सुरक्षाबलों ने सुरक्षा पुख्ता बता दें कि इस साल सुरक्षाबलों ने सुरक्षा पुख्ता करने के लिए बेल्जियम शेफर्ड कुत्तों को शामिल किया गया है। बता दें कि 20 जुलाई, 2020 को छड़ी मुबारक कश्मीर के ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर से निकाला जाएगा और 21 जुलाई, 2020 को सारिका भवानी मंदिर में अनुष्ठान होगी। 23 जुलाई को श्री अमरेश्वर मंदिर श्रीनगर में स्थापना के बाद 25 जुलाई, 2020 नाग पंचमी पर दशनामी अखाड़ा श्रीनगर में छड़ी पूजन किया जाएगा। 3 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा पर छड़ी मुबारक पवित्र शिवलिंग का दर्शन करेंगे।

डेढ़ महीने में दोबारा कोरोना पॉजिटिव पाई गई अस्पताल की नर्स, दिल्ली में ऐसा पहला मामला

नई दिल्ली।

दिल्ली में कोरोना महामारी की स्थिति अब कुछ नियंत्रण में है और यहां संक्रमण के मामलों में वृद्धि की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। राजधानी में अब तक 1,22,793 लोग कोरोना की चपेट में आये हैं तथा इसके कारण मरने वालों की संख्या 3628 हो गयी है। अब तक 1,03,134 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। इसी बीच वहां हैरान कर देने वाला मामला देखने को मिला जहां एक नर्स डेढ़ महीने में दोबारा कोरोना संक्रमित पाई गई। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमित होकर ठीक होने और उसके बाद फिर से कोरोना संक्रमित होने का पहला मामला सामने आया है। हिंदूराव अस्पताल में काम करने वाली नर्स कृष्णा ने 27 मई को उन्हें कोरोना के लक्षण दिखाई दिए थे जिसके बाद 4 जून को रिपोर्ट में उन्हें कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद वह 21 दिनों तक आइसोलेशन में रहीं। कोरोना से ठीक होने के बाद जून के अंतिम सप्ताह में उन्होंने फिर से काम शुरू कर दिया। नर्स कृष्णा ने वापस काम करना शुरू किया तो 28 जून से उनकी ड्यूटी कोरोना वॉर्ड में लग गई। 14 दिन काम करने के बाद कोरोना वॉर्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को पांच दिन तक क्वारन्टीन किया जाता है और फिर उनकी जांच की जाती है। कृष्णा की 16 जुलाई को फिर से आरटी-पीसीआर जांच कराई तो 18 जुलाई को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। नर्स की रिपोर्ट में डेढ़ महीने के अंदर दोबारा कोरोना संक्रमित के बाद हर कई हैरान है। वहीं इस मामले में डॉक्टरो का कहना है कि ठीक होने के बाद कोरोना की रिपोर्ट दोबारा पॉजिटिव इसलिए आई होगी क्योंकि नर्स के शरीर में मृत कोरोना वायरस मौजूद हो सकता है, लेकिन इससे उसे कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि यह वायरस सक्रिय नहीं होता। गौरतलब है कि भारत में एक दिन में कोविड-19 के रिकॉर्ड 40,425 नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या 11 लाख को पार कर गई।

जिस मुहूर्त में जन्मे भगवान राम, उसी में भूमि पूजन...40 किलो चांदी की शिला से पूजा करेंगे पीएम

नेशनल डेस्क।

देश दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्रबिंदु अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का सदियों पुराना सपना साकार होने में अब चंद दिनों का समय शेष है। दुनिया के सबसे ऊंचे मंदिर के निर्माण का भूमि पूजन 5 अगस्त को होगा। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राममंदिर का भूमि पूजन कर सकते हैं। यह पूजा अभिजीत मुहूर्त में सर्वार्थ सिद्धि योग में की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार पीएम मोदी इस दिन 40 किलो चांदी की श्रीराम शिला का पूजन करेंगे और इसे स्थापित करेंगे। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की द्वितीया सह तृतीया तिथि सर्वार्थ सिद्धि योग वाली है और पूर्वाह्न 11 बजकर 41 मिनट से 12 बजकर सात मिनट के बीच अभिजीत मुहूर्त में भूमि पूजन संपन्न होने की योजना है। सभी शुभ कार्य जैसे किसी नए काम को प्रारम्भ करना, व्यापार प्रारम्भ करना, धन संग्रह करना या पूजा का प्रारम्भ करना जैसे शुभ कार्य अभिजीत मुहूर्त में किए जाते हैं। अभिजीत मुहूर्त प्रत्येक दिन मध्यान्ह से करीब 24 मिनट पहले प्रारम्भ होकर मध्यान्ह के 24 मिनट बाद समाप्त हो जाता है। इस मुहूर्त में किए जाने वाले सभी कार्य सफल होते हैं। माना जाता है कि भगवान श्री राम का जन्म अभिजीत मुहूर्त में ही हुआ था. इसीलिए राममंदिर के भूमिपूजन के लिए अभिजीत मुहूर्त चुना गया है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक म निर्णय लिया गया है कि राम मंदिर की ऊंचाई 161 फिट होगीं निर्णय लिया गया है कि राम मंदिर की ऊंचाई 161 फिट होगी और शिखर के गुम्बद पांच बनाए जाएंगे, जिससे मंदिर भव्य दिखेगा।

मिर्च, हल्दी और जीरा देने भारत से विदेश गई ट्रेन, इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

नेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन से सड़क परिवहन बाधित होने के चलते पहली बार रेल मार्ग से बांग्लादेश को मिर्च, हल्दी और जीरा जैसे 9,000 टन से अधिक मसाले भेजे गए। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक महीने में 5000 टन से अधिक हल्दी, 4300 टन मिर्च और 100 टन जीरे का निर्यात रेल मार्ग द्वारा बांग्लादेश को किया गया है। ये मसाले आंध्र प्रदेश, तेलंगाना से वहां भेजे गए। बांग्लादेश भारतीय मसालों का प्रमुख आयातक है और भारत के कुल मसाला निर्यात में मात्रा के संदर्भ में उसकी नौ प्रतिशत हिस्सेदारी तथा मूल्य के संदर्भ में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्ष 2019-20 के दौरान बांग्लादेश को लगभग 1,005 करोड़ रुपये मूल्य के 1,09,950 टन मसालों का निर्यात किया गया था। इसमें मुख्य रूप से जीरा, मिर्च, अदरक और हल्दी शामिल हैं। इससे पहले बांग्लादेश को भारत से 95 प्रतिशत मसाला निर्यात घोजाडंगा, मुंद्रा, हिली, मोहदीपुर, पेट्रापोल या न्हावा शेवा के जरिए सड़क मार्ग से किया जाता था।

अधिकारी ने बताया कि पहली बार हल्दी और मिर्च के निर्यातकों ने दक्षिण मध्य रेलवे के सहयोग से रेल मार्ग के जरिए निर्यात किया। अधिकारी ने कहा कि पिछले एक महीने में 5250 टन हल्दी, 4300 टन मिर्च और 100 टन जीरे का निर्यात आंध्र, तेलंगाना बेल्ट से रेल द्वारा किया गया है। निर्यातकों से रेल से सामान भेजने को अधिक सुविधाजनक पाया है और इसके जरिए लागत कम आने की बात कही है।

देश के कई हिस्सों में आफत बनकर बरसेगी बारिश, आईएमडी ने किया अलर्ट

नेशनल डेस्क।

कई दिनों से रूठे मानसून ने जोड़ पकड़ना शुरू कर दिया है। अगले 24 घंटे में कई राज्यों को भारी बारिश का सामना करना पड़ सकता है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम समेत देश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के आसार हैं, जिसे लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर दी है। विभाग की मानें तो अरुणाचल प्रदेश,बिहार, असम और मेघालय के विभिन्न इलाकों मेअत्यधिक और कई हिस्सों लगातार मूसलाधार बारिश होने की आशंका है। साथ ही हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना है। उत्तर भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश समेत कर्नाटक के तटीय इलाकों में भी अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, उत्तर-पूर्व राजस्थान, उत्तर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कोंकण, गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तेलंगाना समेत रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भी भारी वर्षा की संभावना है। इसी तरह पूर्वी तटवर्ती, दक्षिण पूर्व अरब सागर और कर्नाटक तट तथा लक्षद्वीप में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है जिसको ध्यान में रखते हुए मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे इस अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में समुद्र में न जाएं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार देश में मौजूदा मानसून में अब तक सामान्य से छह फीसद अधिक वर्षा हुई है लेकिन उत्तर भारत में कम बारिश हुई है। विभाग के मौसम विज्ञान संबंधी चार संभाग हैं तथा दक्षिण प्रायद्वीप, मध्य भारत, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत संभागों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। लेकिन उत्तर-पश्चिम भारत में अब तक 19 फीसद कम वर्षा हुई है। दक्षिण प्रायद्वीप में सामान्य से 17 फीसद अधिक वर्षा हुई है जिसमें तमिलनाड, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना आते हैं। मध्य भारत में 12 फीसदी अधिक वर्षा हुई है। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से 10 फीसदी अधिक वर्षा हुई है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर जोश- ट्रायल के लिए चाहिए 100 लोग, 1 हजार से ज्यादा की लगी लाइन

नेशनल डेस्क। एम्स में कोरोना के एंटी वैक्सीन के ह्यूमन ट्रायल में शामिल होने के लिए लोगों में होड़ लग गई है। की आचार समिति ने के स्वदेश विकसित टीके के मानव पर परीक्षण की शनिवार को अनुमति दे दी थी इसके बाद अस्पताल ने लोगों से वॉलंटियर्स बनने की अपील की थी। की अपील के बाद कुछ ही घंटों में हजारों लोगों ने आवेदन भर दिया था। जबकि एम्स में फेज वन के इस ट्रायल में सिर्फ 100 लोगों को ही शामिल किया जा सकता है। एम्स में वैक्सीन प्रोजेक्ट के प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर व कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. संजय राय ने कहा कि ट्रायल के लिए वॉलंटियर्स बनने के लिए जो फोन नंबर जारी किया गया था, उस पर लगातार कॉल आ रही हैं और लोग इसके साथ जुड़ने के लिए कह रहे हैं। प्रोफेसर डॉ. संजय राय ने कहा कि जिस तरह से लोग संपर्क कर रहे हैं और इस ट्रायल से जुड़ना चाहते हैं उनका उत्साह हमारे लिए भी किसी जोश से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि कई लोग ईमेल व वॉट्सऐप के जरिए भी संपर्क कर रहे हैं और हमारी कोशिश है कि हर किसी को जवाब दें। डॉ. संजय राय ने कहा कि हम पहले वॉलंटियर्स की लिस्ट तैयार करेंगे, उसके बाद एक-एक करके सभी को सैंपल देने के लिए बुलाया जाएगा। ट्रायल में शामिल होने वाले सभी की कोरोना जांच होगी, निगेटिव पाए जाने पर ही उन्हें ट्रायल में शामिल किया जाएगा। मतलब जिन्हें पहले से कोविड हुआ है या जो संक्रमित हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। इसके अलावा कई और प्रकार की जांच होगी, जिसके लिए उनके ब्लड सैंपल लिए जाएंगे। के मानव पर पहले और दूसरे चरण के परीक्षण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने दिल्ली स्थित एम्स समेत 12 संस्थानों का चयन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मिशन 'होप' के सफल प्रक्षेपण के लिए यूएई को दी बधाई

दुबई।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने जापान के एक प्रक्षेपण केंद्र से सोमवार को अपने मंगल अंतरिक्ष यान 'अल आमल' का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रच दिया। लाल ग्रह के अध्ययन के लिए रवाना हुआ यह यान अरब जगत का पहला अंतरिक्ष यान है। 'अल आमल' या 'होप प्रोब' नामक इस यान का वजन 1.3 टन है। इसे जापान के तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से स्थानीय समयानुसार रात 1.58 बजे एच2ए रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया। इसके साथ ही अरब जगत के इस पहले अंतरग्रहीय यान की मंगल तक की सात महीने की यात्रा आरंभ हो गई। यान के सफल प्रक्षेपण के साथ ही दुबई स्थित जमीनी नियंत्रण कक्ष में बैठे विज्ञानी खुशी से झूम उठे। सैकड़ों वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष प्रेमियों और यूएई के नेतृत्व ने इस सफलता पर खुशी जताई। इससे पहले इसे 15 जुलाई को प्रक्षेपित किया जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण प्रक्षेपण पांच दिन टाल दिया गया था। प्रक्षेपण के कुछ ही घंटों में दुबई स्थित मोहम्मद बिन राशिद अंतरिक्ष केंद्र में 'होप प्रोब' का पहला संकेत मिलने की पुष्टि हो गई। यूएई के राष्ट्रपति शेख खलीफा ने मंगल मिशन से जुड़ी टीम की सराहना की। देश के युवराज मोहम्मद बिन जायद ने कहा कि देश ने गर्व और खुशी के साथ सफल प्रक्षेपण देखा। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास ने इस उपलब्धि पर यूएई के नेतृत्व को बधाई दी। इसने ट्वीट किया, ''यूएई में रह रहे सभी भारतीयों की ओर से हम आज सुबह मंगल के लिए रवाना हुए मिशन 'होप' के सफल प्रक्षेपण के लिए यूएई के नेतृत्व और सभी अमीराती मित्रों को बधाई देते हैं तथा कोविड के कठिन समय के दौरान भी प्रतिबद्धता से न डिगे वैज्ञानिकों को सलाम करते हैं।'' 'आमल' के फरवरी 2021 तक मंगल पर पहुंचने की उम्मीद है, जब यूएई अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाएगा।

अमेरिका के 9 सांसदों ने चीन से भारत के साथ तनाव कम करने की अपील संबंधी प्रस्ताव किया पेश

वाशिंगटन।

अमेरिका में नौ प्रभावशाली सांसदों ने भारत के खिलाफ चीन की हालिया सैन्य आक्रामकता पर चिंता जताते हुए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें चीन से अपील की गई है कि वह बल के बजाए मौजूदा राजनयिक तंत्रों के जरिए सीमा पर तनाव को कम करने के लिए काम करे। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना, सांसदों फ्रैंक पैलोने, टोसुओजी, टेड योहो, जॉर्ज होल्डिंग, शीला जैक्सन-ली, हैली स्टीवन्स और स्टीव चाबोट ने प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास 15 जून तक कई महीनों पहले से चीनी सैन्य बलों ने कथित रूप से 5,000 जवानों को एकत्र किया और वह बल प्रयोग एवं आक्रामकता के जरिए उन सीमाओं को बदलने की कोशिश कर रहा है जो काफी समय पहले ही तय की जा चुकी हैं। प्रस्ताव में इस बात का जिक्र किया गया है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास तनाव कम करने और बलों के पीछे हटने को लेकर सहमति बन गई है। इसमें कहा गया है कि पूर्वी लद्दाख में कई सप्ताह चले गतिरोध के बाद हुए 15 जून को हुए टकराव में कम से कम 20 भारतीय सैन्यकर्मियों की जान चली गई और अपुष्ट संख्या में चीनी जवान भी मारे गए। प्रस्ताव में कहा गया है, ''चीन सरकार कोभारत के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने की दिशा में बल प्रयोग के बजाए मौजूदा राजनयिक तंत्रों के माध्यम से काम करना चाहिए।'' इससे कुछ ही दिन पहले, अमेरिका के एक प्रभावशाली द्विदलीय संसदीय समूह ने कहा था कि चीन सीमा पर यथास्थिति बदलने और भारतीय सेना को चुनौती देने के लिए उसके साथ किए समझौतों के विपरीत काम कर रहा है और उसने उम्मीद जताई थी कि बीजिंग वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अत्यधिक हथियारों तथा बुनियादी ढांचे को कम करेगा।

दुबई स्थित भारतीय मिशन एक अगस्त से 31 दिसंबर तक रोज काम करेगा - नए महावाणिज्य दूत

दुबई। स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास एक अगस्त से 31 दिसंबर तक रोजाना, सप्ताहांत और अवकाश के दिन भी खुला रहेगा ताकि इस कोरोना वायरस महामारी के दौरान आपात स्थिति में यहां रहने वाले भारतीयों की मदद की जा सके। खलीज टाइम्स में सोमवार को आयी खबरों के अनुसार, 19 जुलाई को दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास का प्रभार संभालने वाले डॉक्टर अमन पुरी ने कहा कि आपात स्थिति में यात्रा करने के लिए पासपोर्ट नवीनीकरण सहित अन्य आपात सेवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। अखबार के अनुसार, पुरी ने कहा, ''एक अगस्त से 31 दिसंबर तक वाणिज्य दूतावास अवकाश के दिन सुबह आठ बजे से 10 बजे तक (दो घंटे के लिए) खुलेगा। हमे लगता है कि आने वाला समय और मुश्किल होगा और लोगों को हमारी जरुरत होगी।'' लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि परिस्थितियों के आधार पर मिशन को रोज खुला रखने के फैसले की समीक्षा की जा सकती है।उन्होंने कहा कि हमारे कर्मचारियों और मिशन ने हमेशा आगे बढ़कर संकट में भारतीयों की मदद की है। उन्होंने कहा, ''चूंकि यहां भारतीयों की संख्या ज्यादा है, ऐसे में जरुरतें भी ज्यादा हैं।'' खबर में कहा गया है कि मिशन ने दुबई और उत्तरी अमीरात से अभी तक 1,70,000 भारतीयों को वापस घर जाने में मदद की है। उन्होंने कहा, ''घर लौटे 1,70,000 भारतीयों में से 40,000 वंदे भारत मिशन के तहत घर गए हैं जबकि बाकि 1,30,000 चार्टर्ड विमानों से घर लौटे हैं जिनकी व्यवस्था निजी कंपनियों और समुदाय द्वारा की गई थी।'' संयुक्त अरब अमीरात में अभी तक 56,711 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, वहीं संक्रमण से अभी तक 338 लोग की मौत हुई है।

कोरोना वैक्सीन की हो रही बुकिंग? ब्रिटेन ने 9 करोड़ खुराक खरीदने के लिए किया समझौता

लंदन।

ब्रिटेन ने कहा है कि फाइजर और अन्य दवा कंपनियों द्वारा कोरोना वायरस के इलाज के लिए परीक्षण के दौर से गुजर रहे टीकों की नौ करोड़ खुराक खरीदने के संबंध में उसने एक समझौते पर दस्तखत किये हैं। ब्रिटेन सरकार ने एक बयान में सोमवार को कहा कि वलनेवा के अलावा फाइजर और बायोएनटेक द्वारा विकसित किए जा रहे टीकों तक पहुंच हासिल करने के लिए उसने करार किया है। इन टीकों को लेकर फिलहाल परीक्षण चल रहे हैं। ब्रिटेन ने पूर्व में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षण किए जा रहे टीके की 10 करोड़ खुराक हासिल करने के लिए एस्ट्राजेनेका से समझौता किया था। इस परीक्षण के परिणाम की जल्द ही घोषणा की जाएगी। सरकार ने तीन अलग-अलग टीकों में निवेश किए जाने का हवाला देते हुए कहा, ''इससे लाखों लोगों को टीके की सुविधा मिल सकेगी।'' फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि कोरोना वायरस के उपचार में ये टीके कारगर हैं या नहीं। ब्रिटेन और कई अमीर देश टीका बनने की स्थिति में इसे हासिल करने के लिए पहले से निवेश कर रहे हैं। आम तौर पर टीका विकसित करने में वर्षों लग जाते हैं और फिलहाल दुनिया भर में एक दर्जन से ज्यादा टीके परीक्षण की आरंभिक अवस्था में हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना महामारी के बीच पाक में शुरू हुआ पोलियो टीकाकरण अभियान, 4 महीने के लिए लग गई थी रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने देश के चुनिंदा जिलों में सोमवार से पांच दिवसीय पोलियो रोधी विशेष अभियान की शुरुआत की। कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण के कारण चार महीने पहले अभियान को रोक दिया गया था। पाकिस्तान ने पांच साल से कम उम्र के 3.96 करोड़ बच्चों के टीकाकरण के लिए 17 फरवरी को राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान की शुरुआत की थी। फरवरी में देश में संक्रमण का पहला मामला सामने आने पर अभियान को रोक दिया गया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अधिकारियों के मुताबिक पंजाब प्रांत में फैसलाबाद की 44 केंद्रीय परिषदों और एटोक की 14 केंद्रीय परिषदों में पोलियो रोधी अभियान शुरू किया गया। कराची के बालदिया, उत्तरी निजामाबाद और लियाकताबाद में यह अभियान चलेगा। खैबर पख्तूनख्वा में दक्षिण वजीरिस्तान जिले पर ध्यान केंद्रित रहेगा जबकि बलूचिस्तान में क्वेटा की 10 केंद्रीय परिषदों में यह अभियान चलाए जाएगा। पोलियो रोधी अभियान में शामिल टीमों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। दुनिया में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नाइजीरिया ऐसे तीन देश हैं जहां से पोलियो खत्म नहीं हुआ है। इस साल देश में पोलियो के 59 नए मामले सामने आए। पिछले साल देश में 147 मामले सामने आए थे। पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि यह शर्म की बात है कि पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जहां पोलियो खत्म नहीं हुआ है। वर्ष 2012 में दिसंबर में टीकाकरण दल पर हमले में करीब 70 लोगों की मौत हो गयी थी।

ईरान ने कासिम सुलेमानी से जुड़ी जानकारी देने वाले को दी मौत की सजा

तेहरान। ईरान ने अमेरिका और इज़राइल को रिवॉल्युशनरी गार्ड के जनरल कासिम सुलेमानी के बारे में जानकारी देने वाले को मौत की सजा दी।

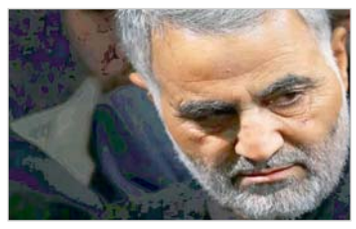

सुलेमानी अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। सरकारी टेलीविजन ने सोमवार को एक खबर में विस्तृत जानकारी दिए बिना दोषी मोहम्मद मुसवी मजद को मौत की सजा दी जाने की जानकारी दी।देश की न्यायपालिका ने जून में कहा था कि मजद सीआईए और इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद से जुड़ा था और गार्ड और इसकी अभियान इकाई की जानकारी भी साझा की थी। सुलेमानी बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में जनवरी में मारे गए थे।

पाकिस्तान के चिड़ियाघर में हाथियों के साथ हो रहा दुर्व्यवहार, कोर्ट ने दिया ये आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने सरकार से कहा है कि एक हाथी को कंबोडिया के अभयारण्य में स्थानांतरित किया जाए। इससे पहले पशु अधिकारों के लिए काम करने वाले एक समूह ने अभियान चलाकर दिखाया था कि यहां स्थित चिड़ियाघर में उस हाथी को जंजीरों से बांधकर उसके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा था। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से दायर याचिकाओं पर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने शनिवार को आदेश दिया कि कावन नामक हाथी को इस्लामाबाद के छोटे से चिड़ियाघर से निकाला जाए।पाकिस्तान की राजधानी में मौजूद एकमात्र हाथी कावन को कंबोडिया के 25,000 एकड़ में फैले अभयारण्य में स्थानांतरित किया जाएगा। अभयारण्य में हाथियों के विशेषज्ञ हैं और अब तक वहां 80 हाथियों का पुनर्वास किया जा चुका है। पूरे विश्व में पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने कावन को निकाले जाने के लिए अभियान छेड़ा था। उनका आरोप था कि इस्लामाबाद के चिड़ियाघर में हाथी को अकेला और जंजीरों से बांधकर रखा जाता था और गर्मी के दिनों में उसे पर्याप्त आश्रय नहीं दिया जाता था। अभियान का हिस्सा रहे वर्ल्ड वाइड फंड ने अदालत के निर्णय का स्वागत किया है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मियां असलम अमीन ने कहा कि सरकार अदालत के फैसले पर अमल करेगी। कावन को 1985 में श्रीलंका ने उपहार में दिया था।

सऊदी अरब के शाह सलमान अस्पताल में हुए भर्ती, किए जा रहे है टेस्ट

दुबई।

सऊदी अरब के शाह सलमान को पित्ताशय में सूजन के बाद चिकित्सीय जांच के लिए राजधानी रियाद में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सऊदी अरब के शाही दरबार' ने एक बयान में इसकी जानकारी दी, जिसे आधिकारिक 'सऊदी प्रेस एजेंसी' ने जारी किया। बयान में कहा गया कि 84 वर्षीय शाह की 'शाह फैसल स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल' में चिकित्सीय जांच की जा रही है। उन्होंने इस पर कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। कोरोना वायरस के कारण सऊदी शाह पिछले कुछ महीने से सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। शाह सलमान 2015 से सऊदी अरब पर शासन कर रहे हैं और अपने बेटे एवं शहजादा मोहम्मद बिन सलमान (34) को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर चुके हैं।

1998 के बाद चीन ने दोबारा बाढ़ का पानी निकालने के लिए तोड़ा बांध

बीजिंग।

बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो जाने के बीच मध्य चीन में अधिकारियों ने एक बांध में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर हो जाने के बाद उसे तोड़ दिया। सरकारी प्रसारक 'सीसीटीवी' की खबर के अनुसार अनहुइ प्रांत में चूही नदी पर बने बांध को रविवार सुबह एक विस्फोट कर तोड़ दिया गया। इसके बाद पानी के दो फुट तक नीचे आने की संभावना है। मूसलाधार बारिश के कारण यांगत्जे सहित कई नदियों में जलस्तर इस साल बढ़ गया है। बांध तोड़कर पानी निकलाने का कदम 1998 में उठाया गया था, जब बाढ़ के कारण 2,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और करीब 30 लाख लोग बेघर हो गए थे। पिछले सप्ताह यांगत्जे में विशाल 'थ्री गॉर्जस डैम' में पानी के खतरे के निशान से 50 फुट ऊपर आ जाने की वजह से पानी निकालने के लिए उसके द्वारों को खोल दिया गया था। मंगलवार को यहां एक बार फिर बाढ़ आने की आशंका है। मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ संबंधी घटनाओं में 150 से अधिक लोग मारे गए हैं या लापता हैं।

अमेरिका के 9 सांसदों ने चीन से भारत के साथ तनाव कम करने की अपील संबंधी प्रस्ताव किया पेश

वाशिंगटन।

अमेरिका में नौ प्रभावशाली सांसदों ने भारत के खिलाफ चीन की हालिया सैन्य आक्रामकता पर चिंता जताते हुए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें चीन से अपील की गई है कि वह बल के बजाए मौजूदा राजनयिक तंत्रों के जरिए सीमा पर तनाव को कम करने के लिए काम करे। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में भारतीय अमेरिकी सांसद रो खन्ना, सांसदों फ्रैंक पैलोने, टोसुओजी, टेड योहो, जॉर्ज होल्डिंग, शीला जैक्सन-ली, हैली स्टीवन्स और स्टीव चाबोट ने प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास 15 जून तक कई महीनों पहले से चीनी सैन्य बलों ने कथित रूप से 5,000 जवानों को एकत्र किया और वह बल प्रयोग एवं आक्रामकता के जरिए उन सीमाओं को बदलने की कोशिश कर रहा है जो काफी समय पहले ही तय की जा चुकी हैं। प्रस्ताव में इस बात का जिक्र किया गया है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास तनाव कम करने और बलों के पीछे हटने को लेकर सहमति बन गई है। इसमें कहा गया है कि पूर्वी लद्दाख में कई सप्ताह चले गतिरोध के बाद हुए 15 जून को हुए टकराव में कम से कम 20 भारतीय सैन्यकर्मियों की जान चली गई और अपुष्ट संख्या में चीनी जवान भी मारे गए। प्रस्ताव में कहा गया है, ''चीन सरकार कोभारत के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने की दिशा में बल प्रयोग के बजाए मौजूदा राजनयिक तंत्रों के माध्यम से काम करना चाहिए।'' इससे कुछ ही दिन पहले, अमेरिका के एक प्रभावशाली द्विदलीय संसदीय समूह ने कहा था कि चीन सीमा पर यथास्थिति बदलने और भारतीय सेना को चुनौती देने के लिए उसके साथ किए समझौतों के विपरीत काम कर रहा है और उसने उम्मीद जताई थी कि बीजिंग वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अत्यधिक हथियारों तथा बुनियादी ढांचे को कम करेगा। भारत और भारतीय अमेरिकियों पर संसदीय समूह ने गलवान घाटी में भारतीय जवानों के शहीद होने की घटना पर भी शोक जताया था। भारत और चीन की सेना के बीच पैंगोंग सो, गलवान घाटी और गोगरा हॉट स्प्रिंग समेत पूर्वी लद्दाख के कई इलाकों में गतिरोध चल रहा है। पिछले महीने गलवान घाटी में झड़पों में 20 भारतीय सैन्यकर्मियों के शहीद होने के बाद हालात बिगड़ गए थे।

अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट जज के 20 साल के बेटे की गोली मार कर हत्या, पति घायल

नॉर्थ ब्रन्सविक (अमेरिका)।

एक बंदूकधारी ने न्यूजर्सी की एक संघीय जज के 20 वर्षीय बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके पति को घायल कर दिया। राज्य की चीफ डिस्ट्रिक्ट जज फ्रेडा वोल्फसन ने 'एपी' को बताया कि यह घटना रविवार को अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज एस्थर सलास के नॉर्थ ब्रन्सविक स्थित आवास पर हुई। वोल्फसन ने बताया कि बंदूकधारी ने सलास के बेटे डेनियल की हत्या कर दी और उनके पति एवं वकील मार्क एंडर्ल को घायल कर दिया। एक न्यायिक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि गोलीबारी की इस घटना को एक अपराधी ने अंजाम दिया और उसकी तलाश की जा रही है। एफबीआई ने भी ट्वीट किया कि गोलीबारी में शामिल आरोपी की तलाश की जा रही है।

भारतीय-अमेरिकियों का ट्रंप के लिए प्यार, 1 लाख से ज्यादा लोगों ने देखी 'हिंदूज4ट्रम्प' रैली

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के नवंबर में होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थन में आयोजित 'हिंदूज4ट्रम्प' रैली को रिकॉर्ड संख्या में एक लाख से अधिक भारतीय-अमेरिकियों ने देखा। राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन मैदान में हैं। 'ट्रम्प विक्ट्री इंडिया अमेरिकन फाइनेंस कमेटी' के उपाध्यक्ष अल मैसन ने रविवार को डिजिटल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले छह महीने का उनका अनुसंधान बताता है कि 1992 से राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के लिए मतदान करते आ रहे भारतीय-अमेरिकी पहली बार रिपब्लिकन उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। मैसन ने 'अमेरिकन4हिंदू' द्वारा आयोजित 'हिंदूज4ट्रम्प' डिजिटल रैली को संबोधित किया। 'अमेरिकन4हिंदू' ने एक बयान में बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया मंचों और समूहों पर करीब 30,000 लोगों ने रैली का सीधा प्रसारण देखा और इसके बाद करीब 70,000 लोगों ने इसे ऑनलाइन देखा। मैसन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं के रिपब्लिकन पार्टी की ओर झुकाव का कारण है कि वे ''राष्ट्रपति ट्रम्प से प्यार'' करते हैं। उन्होंने कहा, ''जब (पिछले सितंबर में) 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम हुआ था, तब पूरी दुनिया कश्मीर के बारे में बात कर रही थी... उस समय केवल राष्ट्रपति ट्रम्प में ह्यूस्टन में रैली करने की हिम्मत थी और उन्होंने एक बार भी कश्मीर शब्द का जिक्र नहीं किया। उन्होंने भारत के आतंरिक हिस्से (मामलों) में कभी हस्तक्षेप नहीं किया।''

मैसन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच हिंसक गतिरोध का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा कि दूसरा कारण यह है कि ट्रम्प चीन के खिलाफ और भारत के समर्थन में खड़े हुए। इस दौरान 'अमेरिकन4हिंदू' ने चुनाव में राष्ट्रपति ट्रम्प का समर्थन करने की घोषणा की। 'अमेरिकन4हिंदू' के सह-संस्थापक एवं सह-अध्यक्ष राज भयानी ने कहा, ''हम राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थन में अधिक से अधिक भारतीय-अमेरिकियों के मत हासिल करने के लिए तन, मन और धन से काम करेंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात भाजपा के अध्यक्ष बने नवसारी के सांसद सीआर पाटील

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद/सुरत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दक्षिण गुजरात के नवसारी से सांसद सीआर पाटील को गुजरात प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया हैं।

सीआर पाटील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। सीआर पाटील भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी का स्थान ग्रहण करेंगे।

गुजरात भाजपा प्रमुख का पद पहली दफा किसी गैर गुजराती को सौंपा गया हैद्य सीआर पाटील महाराष्ट्र के जलगांव के मूल निवासी हैं, लेकिन गुजरात उनकी कर्मभूमि होने से उन्हें गुजरात प्रदेश का भाजपा अध्यक्ष बनाया गया है।

सीआर पाटील की नियिक्त से गुजरात भाजपा के प्रमुख पद पर सौराष्ट्र का दबदबा खत्म हो चला है।

गुजरात भाजपा में दक्षिण गुजरात का कद बढ़ने से नवसारी और सूरत समेत भरुच के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है।

आगामी उप चुनाव से पहले पाटील की नियुक्ति क्या रंग लाती है तो यह आनेवाला वक्त ही बताएगा।

लेकिन सीआर पाटील ने दावा किया है कि विधानसभा के आगामी उपचुनाव में भाजपा सभी 8 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

पाटील ने कहा कि भाजपा में छोटे–बड़े सभी कार्यकर्ताओं को अहमियत दी जाती है और मैं उसका जीवित उदाहरण हूं।

भाजपा ने मुझ जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता को गुजरात भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, ।

उसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत गुजरात के सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

गैर गुजराती सीआर पाटील के पुलिस कांस्टेबल से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तक के सफर नजर डाली जाए तो उनका जन्म 16 मार्च 1955 में महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ था।

सूरत की आईटीआई में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह गुजरात पुलिस में शामिल हो गए। पुलिसकर्मियों की समस्याओं के लिए संगठन बनाया और उनकी आवाज बुलंद की।

1984 में पुलिसकर्मी यूनियन बनाने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें निलंबित कर दिया गया। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हुए सीआर पाटील ने सरकारी नौकरी छोड़ दी और 1989 में राजनीतिक जीवन में कदम रखा। सामाजिक कार्यों के चलते उनकी लोकप्रियता बढ़ती गई।

संस्थाओं के विभिन्न पदों पर काम करते हुए सीआर पाटील आगे बढ़ते गए।

भाजपा की अनेक योजनाओं को आगे बढ़ाने में सीआर पाटील का अहम योगदान है।

2009 नवसारी लोकसभा सीट अस्तित्व में आने के बाद सीआर पाटील पहली दफा चुनाव लड़े और जीतकर संसद पहुंचे।

उसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में भारी वोटों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी परास्त कर दूसरी बार सांसद चुने गए।

2019 में सीआर पाटील ने 2014 के मुकाबले ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

डाकोर का रणछोडराय मंदिर आज से श्रद्धालुओं के लिए अनिश्चितकाल तक बंद

अहमदाबाद, खेडा जिले के डाकोर स्थित भगवान रणछोडराय का मंदिर अनिश्चित काल तक श्रद्धालुओं के लिए आज से अनिश्चितकाल तक बंद कर दिया गया है।

कोरोना लगातार बढ रहे कोरोना मामले को देखते हुए यह फैसला किया गया है। मंगलवार से गुजरात में शुरू हो रहे सावन महीने के पहले रणछोड़राय मंदिर बंद किए जाने से श्रद्धालु निराश हैं।

बता दें कि डाकोर में कोरोना के दर्ज कुल मामलों में चार केस रणछोड़राय मंदिर से 150 मीटर के दायरे के हैं।

जिसे देखते हुए मंदिर समिति ने आज से श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए हैं। हांलाकि मंदिर में भगवान की नियमित पूजा–अर्चना जारी रहेगी।

कोरोना संकट के चलते केवल रणछोड़राय मंदिर ही नहीं अन्य कई मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद किए जा रहे हैं। पीपलाव आशापुरी मंदिर अनलॉक–2 में श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था, लेकिन कोरोना केस बढ़ते देख सरकार के आदेश पर अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

बीएपीएस के गोंडल स्थित अक्षर मंदिर में दोपहर 12 बजे तक ही श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं।

गांधीनगर का अक्षरधाम और अहमदाबाद की बीएपीएस मंदिर लॉकडाउन का ऐलान होने के बाद से बंद है।

स्थिति सामान्य होने के बाद ही खुलेंगी राज्य की स्कूलें : शिक्षा मंत्री

अहमदाबाद ,गुजरात के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने आज स्पष्ट किया कि राज्य में कोरोना से स्थिति सामान्य होने के बाद ही स्कूलें खुलेंगी। सरकार स्कूल खोलने में कोई जल्दबाजी नहीं करेगीद्य उन्होंने कहा कि मनमानी करने वाली स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोमवती अमावस्या के मौके पर नर्मदा नदी के किनारे स्थित शूलपाणेश्वर महादेव मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत में चूडास्मा ने कहा कि कोरोना महामारी के बीच भी राज्य में शिक्षा कार्य बंद नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदेश के बाद तुरंत ऑनलाइन शिक्षा की शुरुआत की गई। राज्य में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि 8 जून से स्कूलों में कार्य शुरू हो गया, परंतु किसी भी विद्यार्थी को स्कूल नहीं बुलाया गया।

केवल शिक्षक और स्कूल के स्टाफ को ही बुलाया जा रहा है। राज्य के विद्यार्थियों को पुस्तकें पहुंचाने का काम पूर्ण कर लिया गया है। अन्य राज्यों में 15 सितंबर से स्कूलें शुरू होने के सवाल पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम जानकार या मनोचिकित्सक या पीडियाट्रिक नहीं है।

इसलिए बच्चों के लिए क्या किया जा सकता है, इस संदर्भ में राज्य के 30 जितने विशेषज्ञों की मदद से एक टीम बनाई गई है। जिसमें मनोचिकित्सक पीडियाट्रिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को राज्य की स्कूलें खोलने की कोई जल्दबाजी नहीं हैद्य राज्य में स्थिति सामान्य होने के बाद स्वास्थ्य विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद स्कूलें खोलने पर फैसला किया जाएगा।

क्योंकि बच्चों को जीवन और उनका स्वास्थ्य सबके लिए महत्वपूर्ण है। फीस वृद्धि को लेकर चूडास्मा ने कहा कि जहां जहां शिक्षा विभाग को शिकायत मिली हैं, वहां वहां कार्रवाई की गई है। सिलेबस के बारे में उन्होंने कहा कि 9वीं कक्षा में उतना पाठ्यक्रम रखा गया है, जो 10वीं कक्षा के लिए उपयोगी होद्य कक्षा 1 से कक्षा 8 के लिए समिति का गठन किया गया है

और उसकी रिपोर्ट के आधार पर फैसला किया जाएगां।

छह श्रमिकों की मौत के बाद अहमदाबाद की दो विनिर्माण इकाइयों को बंद करने का आदेश

सुरक्षा उपायों का पालन नहीं करने के कारण गई श्रमिकों की जान, विशाल फैब्रिक्स पर एफआईआर

क्रांति समय सुरत

गांधीनगर, सुरक्षा उपायों का पालन नहीं करने के कारण अहमदाबाद में छह श्रमिकों की मौत के बाद गुजरात में श्रम और रोजगार विभाग ने दो विनिर्माण इकाइयों को बंद करने के नोटिस जारी किए हैं। औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) ने अहमदाबाद जिले के धोणी गांव में स्थित विशाल फैब्रिक्स तथा अहमदाबाद शहर के वटवा स्थित शक्ति रसायन को बंद करने के नोटिस जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि विशाल फैब्रिक्स में बिना सुरक्षा उपकरण के एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) टैंक में सफाई करने उतरे चार मजदूरों की मौके पर तथा शक्ति केमिकल्स में एक रासायनिक टैंक में दम घुटने के कारण दो श्रमिकों की मौत हो गई थी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि श्रमिकों को दोनों संयंत्रों में सुरक्षा उपकरण प्रदान नहीं किए गए थे। श्रम और रोजगार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विपुल मित्रा ने कहा कि हमने फैक्ट्रीज एक्ट के तहत दोनों इकाइयों को बंद करने के नोटिस जारी किए हैं। इस घटना के लिए विशाल फैब्रिक्स के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। मित्रा ने कहा कि दोनों कंपनियों को मृतक श्रमिकों के परिजनों को तत्काल अनुग्रह राशि का मुआवजा देने

गुजरात कांग्रेस का एक और विधायक संक्रिम, पूर्व विधायक भी पॉजिटिव

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद , गुजरात कांग्रेस का एक और विधायक को कोरोना हुआ है । पेटलाद निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस विधायक निरंजन पटेल की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल किया गया हैं ।इससे पहले कांग्रेस विधायक इमरान खेडावाला, चिराग कालरिया गेनी ठाकोर और कांति खराडी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

दूसरी ओर वडोदरा के करजण से पूर्व विधायक अक्षय पटेल को भी कोरोना हुआ है । बता दें कि अक्षय पटेल कांग्रेस के पूर्व विधायक हैं, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव से पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। राज्यसभा चुनाव के बाद अक्षय पटेल भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस ही नहीं भाजपा के कई विधायकों को कोरोना हुआ था। जिसमें वीडी झालावाडिया, जगदीश पंचाल, बलराम थवानी, किशोर चौहाण शामिल हैं। गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पिछले एक महीने से अस्पताल में उपचाराधीन हैंद्य इसके अलावा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला भी कोरोना की चपेट में आ गए थे। हांलाकि 10 दिनों के भीतर कोरोना को मात देकर वह अब स्वस्थ हो चुके हैं।

24 घंटों में राज्य की 85 तहसीलों में बारिश,

सबसे अधिक हांसोट में 3 ईंच

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 85 तहसीलों में बारिश हुई है, जिसमें सबसे अधिक भरुच जिले की हांसोट में 3 ईंच बारिश हुई।

राज्य की सभी तहसीलों में मॉनसून की बारिश हो चुकी है और कई जगह तो औसत से भी अधिक बारिश हो चुकी है।

दो तहसीलों में 1000 मिमी से भी अधिक बारिश हुई है।

जबकि 33 तहसीलों में 500 से 1000 मिमी जितनी बारिश हुई है। ऐसी दो तहसीलें हैं, जहां 50 मिमी से भी कम बारिश हुई है।

राज्य में अब तक मौसम की 36.08 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। पिछले 24 घंटों को भरुच जिले की हांसोट तहसील में सबसे अधिक 3 ईंच बारिश दर्ज हुई।

वहीं दाहोद में 2.5 ईंच और गांधीनगर में 1.5 ईंच जितनी बारिश हुई।

इसके अलावा मोरबी के टंकारा और दाहोद के देवगढ़ बारिया में 1 ईंच से अधिक बारिश हुई।

आणंद के तारापुर और भावनगर के पालीताणा में भी एक ईंच बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य के 27 जिलों की 85 तहसीलों में बारिश हुई है।

भाजपा विधायक केतन ईनामदार कोरोना संक्रमित, होम कोरन्टाइन हुए

क्रांति समय सुरत

वडोदरा जिले में अब एक के बाद एक भाजपा नेता कोरोना की चपेट में आ रहे हैंद्य वडोदरा के सावली से भाजपा विधायक केतन ईनामदार की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

केतन ईनामदार अपने आवास पर जनता दरबार लगाते थे, जिसमें वह लोगों की समस्याएं सुनते थे। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद केतन ईनामदार होम कोरन्टाइन हो गए हैं। एक के बाद एक नेताओं के कोरोना संक्रमित होने से समर्थकों में चिंता है। इससे पहले करजण के पूर्व विधायक अक्षय पटेल की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।अक्षय पटेल वही हैं जो राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे।

बता दें कि दो दिन पहले वडोदरा भाजपा उपाध्यक्ष महेश शर्मा की कोरोना से मौत हो गई थी। महेश शर्मा की पत्नी और पुत्र को भी कोरोना हुआ था और उपचार के बाद दोनों ठीक हो गए। कुछ दिन पहले वडोदरा महानगर पालिका की स्थायी समिति के पूर्व चेयरमैन योगेन्द्र सुखडिया की कोरोना से मौत हो गई थीद्य।

गुजरात में अनलॉक हुआ कोरोना

24 घंटों में रिकार्ड 998 नए केस

अहमदाबाद, अनलॉक 2 में गुजरात में कोरोना भी अनलॉक हो गया है और रोज नए रिकार्ड मामले सामने आ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 998 नए पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं और 20 मरीजों की मौत हो गई। जबकि 24 घंटों में 777 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत शहर व जिले में सबसे अधिक 284 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएद्य वहीं अहमदाबाद में 193 कोरोना के मामले सामने आए। वडोदरा शहर में 60, राजकोट शहर में 40, भावनगर शहर में 26, मेहसाणा में 26, भरुच में 22, सुरेन्द्रनगर में 20, वडोदरा जिले में 18, पाटन में 17, वलसाड में 17, भावनगर जिले में 16, गिर सोमनाथ में 16, कच्छ में 16, राजकोट जिले में 16, तापी में 16, अमरेली में 13, बनासकांठा में 13, जामनगर शहर में 13, जूनागढ़ में 13, खेडा में 13, दाहोद में 12, गांधीनगर जिले में 12, महीसागर में 11, नवसारी में 10, बोटाद में 9, जामनगर में 9, मोरबी में 9, गांधीनगर शहर में 8, नर्मदा में 7, आणंद में 6, जूनागढ़ शहर में 6, साबरकांठा में 6, अरवल्ली में 5, देवभूमि द्व ारका में 3, छोटाउदेपुर में 1 और पोरबंदर में 1 समेत राज्य में कुल 998 कोरोना के मामले दर्ज हुए और 777 लोगों को पिछले 24 घंटों में डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान सूरत शहर और जिले में 11, अहमदाबाद शहर व जिले में 4, वडोदरा में 2, नवसारी में 2 और गिर सोमनाथ में 1 समेत राज्य में कुल 20 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 50000 के करीब पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 548989 टेस्ट किए गए, जिसमें 49439 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। 49439 मामलों में 35659 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं और 2167 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। शेष 11613 में से 11535 की हालत स्थिर है और 78 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में 408840 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 406794 होम कोरन्टाइन और 2046 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में हैं

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)